नवंबर-2024, ₹ 10.00

दीप कमल

राज्योत्सव 2024

रजत जयंती वर्ष में प्रवेश

राज्योत्सव के रंग, अपनों के संग

दीप कमल

वर्ष-20, अंक-11, नवंबर 2024

संपादक
पंकज कुमार झा

प्रबंध संपादक
हेमंत पाणिग्रही

मुद्रक एवं प्रकाशक
किरण देव द्वारा, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के लिए, विश्व परिवार से मुद्रित एवं कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, बोरियाकला, रायपुर से प्रकाशित।

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्कैन करें।

www.deepkamal.online

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

mydeepkamal@gmail.com
0771-2233500, 2233511
92016-33511

सोशल मीडिया से

Narendra Modi @narendramodi · 4d
Went to Advani Ji's residence and wished him on his birthday.

Jagat Prakash Nadda @JPNadda

प्रखर विचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक, लोकतंत्र सेनानी एवं भाजपा परिवार के वरिष्ठ नेता, पूर्व राज्यसभा सदस्य श्री गोपाल व्यास जी के देवलोकगमन का समाचार अत्यंत दुःखद है।

श्रद्धेय व्यास जी ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के रक्षार्थ लगातार संघर्ष किया। संगठन के विस्तार और जनसेवा में उनका कृतित्व एवं व्यक्तित्व हम सभी के लिए सदैव प्रेरणीय है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान दें व शोकाकुल परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

ॐ शान्तिः !

Dr Mansukh Mandaviya @mansukhmandviya · Following

जनजातीय गौरव को जन-जन तक पहुँचाने और जनजातीय समाज के वैभव, संस्कृति, जीवनशैली, महानायकों के योगदान का उत्सव मनाने हेतु आज छत्तीसगढ़ के जशपुर में @MYBharatGov के हमारे हज़ारों युवा साथियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा #माटी_के_वीर पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री @vishnudsai जी एवं अन्य साथी उपस्थित रहे।

यात्रा के दौरान कदम-कदम पर जनजातीय समुदाय की विविध संस्कृति व जीवनशैली के अनेक पहलू देखने को मिले, जिन्हें MY Bharat के हमारे 15 हज़ार से अधिक युवा साथियों ने बेहद क़रीब से अनुभव किया। प्रधानमंत्री श्री @NarendraModi जी ने युवाओं से विकसित भारत में योगदान देने का आह्वान किया है, और इस यात्रा के दौरान युवाओं ने देश के प्रति समर्पित होकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया। मैंने आज जशपुर में खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा भी की है, ताकि यहाँ के जनजातीय युवाओं की प्रतिभा को और आगे बढ़ाया जा सके।

हमारा देश जनजातीय समुदाय के गौरवशाली योगदान का सदैव ऋणी रहेगा और हम इसका उत्सव मनाते रहेंगे। आने वाली 15 तारीख़ को भी जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। मैं भगवान बिरसा मुंडा जी को कोटि-कोटि नमन करता हूँ।

Vishnu Deo Sai · 6d

"छत्तीसगढ़ महतारी की जय"

माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी की गरिमामयी उपस्थिति में आज "राज्योत्सव - 2024" का समापन हुआ। समारोह में आदरणीय राज्यपाल श्री रमेन डेका जी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के साथ सम्मिलित हुआ।

तीन दिवसीय इस राज्योत्सव में हमने छत्तीसगढ़ के 24 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया, जहाँ लोककला, संस्कृति और परंपरा की अनुपम छटा देखने को मिली। अगले वर्ष हम राज्य निर्माण की रजत जयंती मनाएंगे और प्रदेश की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

समारोह में मंत्रीगण, सांसद एवं विधायक साथी उपस्थित रहे।

Vice President of India Governor Chhattisgarh Dr Raman Singh Arun Sao

#CGRajyotsav2024

Dr Mohan Yadav @DrMohanYadav51

छत्तीसगढ़ महतारी की जय!

समृद्ध विरासत और संस्कृति की पावन धरा छत्तीसगढ़ राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर आज राजधानी रायपुर में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राज्य सदैव प्रगति पथ पर अग्रसर रहे और नागरिकों के जीवन में सुखद बदलाव की यात्रा गतिमान हो, यही शुभकामना है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष माननीय डॉ. रमन सिंह जी, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी व विजय शर्मा जी सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

Kiran Singh Deo · Oct 19

सशक्त भाजपा, विकसित छत्तीसगढ़ !

आज भाजपा कार्यालय जगदलपुर में सक्रिय सदस्यता की बैठक ली।

इस जिलाध्यक्ष श्री Rupsingh Mandavi जी ने मुझे सक्रिय सदस्यता दिलाई साथ ही मैंने भी वरिष्ठ जनों को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कर गौरवान्वित हूँ।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

निर्माण के गर्व का पर्व

छत्तीसगढ़ पर्याय है उत्सव का। पर्व और त्यौहार इसकी पहचान है। गर्व है इसे अपनी समृद्ध संस्कृति और परम्परा पर। जनजातीय पहचान, इसकी उत्सवधर्मिता छत्तीसगढ़ को दुनिया के अन्य तमाम हिस्सों से अलग करती है। विशेषकर बात जब अलग प्रदेश के रूप इसके अस्तित्व में आने के वार्षिक पर्व का हो, तब तो खैर कहने ही क्या? ढोल और मांदर की थाप पर झूम उठता है समूचा प्रदेश उत्तर से दक्षिण तक, सरगुजा से बस्तर तक। राजनांदगांव से बिलासपुर तक। क्या गांव क्या नगर, डगर-डगर मानो छत्तीसगढ़ महतारी की आराधना चल रही हो। मां भारती की आरती हो रही हो।

इस बार का यह उत्सव और अधिक विशेष यूं था क्योंकि प्रदेश अब पचीसवें वर्ष में प्रवेश कर गया है। भारतीय मनीषा इस वय का ऐसे बखान करता है जब पढ़ाई-लिखाई संपन्न कर कोई युवक जीवन समर में कूदता है, गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर परिवार, ग्राम,

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

समाज, राज्य-राष्ट्र के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए खड़ा हो उठता है। हर तरह से योग्य होकर 'छत्तीसगढ़' अब उसी प्रकार जीवन यज्ञ में और अधिक ऊर्जा, अनुभव और योग्यता के साथ उतर पड़ा है। छत्तीसगढ़ की इस विकास यात्रा में साय सरकार द्वारा लोकतंत्र में जनता के विश्वास की फिर से बहाली की उपलब्धि ही पाथेय है। 'मोदी की गारंटी' पर युद्ध स्तर पर काम करते हुए भाजपा सरकार ने प्रदेश की महतारी-बहनों, आदिवासियों, किसानों, युवाओं समेत हर वर्ग का भरोसा जीता है। उन्होंने सपने रोपे हैं उन सूनी हो चुकी आंखों में, जिनमें कांग्रेस की पिछली सरकार द्वारा ठग लिए जाने का आक्रोश और पीड़ा बेतहाशा पीब की तरह पैबस्त होकर दुःख दे रहा था।

जनता और जनार्दन को ठग कर पायी गयी सत्ता या अधिकार किस तरह ताश के पत्ते की मानिंद भरभरा कर गिर जाता है, उसे छत्तीसगढ़ ने देखा है। न केवल देखा है, अपितु कांग्रेस के विरुद्ध एक अभूतपूर्व जनादेश देकर यह सबक़ भी दिया है कि आप भले कुछ लोगों को हमेशा के लिए ठग सकते हैं, सभी लोगों को कुछ समय के लिए ठग सकते हैं, लेकिन हमेशा के लिए सारी जनता को ठगना संभव नहीं हो सकता। कांग्रेस ने यही करने की कोशिश की थी, जिसके प्रत्युत्तर में जनता ने काठ की उस हांडी को चूल्हे से उतार फेंका। बीरबल की उस खिचड़ी को पकने का फिर से अवसर नहीं दिया।

फिर से, छत्तीसगढ़ का निर्माण करने वाली अटलजी की पार्टी भाजपा को छत्तीसगढ़ियों ने सत्ता सौंपी और सत्ता में आते ही विष्णुदेव साय जी की सरकार ने खोए हुए उस आस्था को बहाल किया है। सरकार अब कांग्रेस सरकार द्वारा पैदा किए भरोसे के संकट को समाप्त कर, छत्तीसगढ़ रचने निकल पड़ी है। इसी उद्घोष और स्वाभिमान से अपना सीना फुलाए कि – हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे। इसी उद्घोष को मंत्र बनाते हुए अब - संवर रहा है छत्तीसगढ़। जाहिर है जिन्होंने बनाया ही नहीं दशकों अवसर मिलने के बावजूद प्रदेश को, वे क्या खाक गढ़ते या संवारते नवा छत्तीसगढ़ को? उनके लिए तो बस जैसे अविभाजित मध्यप्रदेश में यह अंचल चारागाह बना हुआ था, वैसे ही प्रदेश निर्माण के बाद भी सरगुजा-बस्तर समेत सारा प्रदेश उनके लिए बस बैंक की तरह रहा जिसके एटीम का दरवाजा किसी और जनपथ पर खुलता था। बहरहाल!

प्रदेश के निर्माण का यह उत्सव महतारियों के मोबाइल पर हर माह आते खुशियों के नोटिफिकेशन का है, तो किसानों के बकाए दो-दो बोनस और रिकॉर्ड मूल्य पर, रिकॉर्ड समय में की गयी रिकॉर्ड धान खरीदी को रिकॉर्ड समय में ही राशि भेज कर अन्नदाताओं के बैंक खाते को उनकी फसल की तरह ही लहलहा देने का है। यह त्यौहार आवास की प्रत्याशा में बारिश में टपकते अपने कच्चे घर की छत के नीचे बैठे लाखों गृहस्वामियों के परिवार हेतु पक्के छत उपलब्ध हो जाने का है तो यह उन हजारेक उन युवाओं के लिए दीपावली बोनांजा भी है जो अब देखते ही देखते 'इंसपेक्टर साहब' बन गए हैं।

निस्संदेह भारतीय जनता पार्टी की इस सरकार में काफी कुछ तो हुआ है, कुछ हो गया है। निश्चय ही थोड़ा सा प्यार हुआ है, थोड़ा है बाकी। अच्छाइयों के कार्य, खुशियों को बिखेरते रहने का प्रकल्प कभी भी पूर्णविराम नहीं जानता। यह अनवरत चलते रहने वाली प्रक्रिया है। लेकिन इस यात्रा में आवश्यक यह होता है कि आपकी 'नीयत' न केवल सीसे की तरह साफ हो बल्कि वह आईने की तरह जनता के चेहरे पर प्रतिबिंबित भी हो। रोजी-रोजगार, उद्योग-व्यापार, खेती-किसानी, सिंचाई-मिंचाई, पढ़ाई-लिखाई, कढ़ाई-बुनाई समेत अपराधियों-नक्सलियों के कुटाई-पिटाई के बहुत सारे कार्य अभी भी किए जाने शेष हैं, जिसे अगले चार वर्ष में संपादित कर पार्टी फिर से अगले लक्ष्य की तरफ बढ़ेगी। आकाश भर छाती के साथ साय जी की सरकार और छत्तीसगढ़ ने बढ़ा ही दिया है कुछ और कदम सूरज की ओर!

जब ये पंक्तियां लिखी जा रही है तब सरकार अपनी नयी 'उद्योग नीति' घोषित करने की तैयारी में है। जब तक 'दीप कमल' का यह अंक आप तक पहुँचेगा, तब तक प्रदेश के अगले कुछ दशकों का रोडमैप 'विजन डॉक्युमेंट' के रूप में भी आपतक पहुंच जाने की संभावना है। मोदी की गारंटी, औद्योगिक नीति और विजन डॉक्युमेंट की रोशनी में अपना प्रदेश भी 'विकसित भारत' बानने के मोदीजी के स्वप्न को पंख लगाने 'विकसित छत्तीसगढ़' बना कर योगदान देने के लिए कमर कस कर तैयार है – त्वदीयाय कार्याय बद्धा कटीयम।

रजत जयंती वर्ष में प्रवेश पर अशेष शुभकामनाएं। गाड़ा-गाड़ा बधाई। जय-जय। |•••

Email: mydeepkamal@gmail.com

पंकज...

@pankaj_media

आजीवन सेवा और सादगी की प्रतिमूर्ति रहे व्यास जी

डॉ. रमन सिंह

श्री गोपाल व्यास जी एक ऐसा नाम है जिन्हें केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि सामाजिक और सेवा क्षेत्र से जुड़ा देश का हर व्यक्ति परिचित है। 15 फरवरी 1932 को श्री पूनमचंद व्यास और श्रीमती जेठाबाई व्यास के घर श्री गोपाल व्यास जी का जन्म हुआ। बचपन से ही प्रतिभावान व्यास जी के भीतर राष्ट्र के प्रति अद्भुत समर्पण था और वे लोकसेवा के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

व्यास जी ने जबलपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की। उनके मन में जितनी लगन इंजीनियरिंग के प्रति थी, उतनी ही प्रबल भावना मातृभूमि की सेवा के प्रति भी समाहित थी। यह वही समय था जब गोपाल जी ने मां भारती की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्ग चुना और वे श्री के एस सुदर्शन जी के संपर्क में आए।

संघ के संस्कार और सुदर्शन जी का मार्गदर्शन मिलने से युवा अवस्था के व्यास जी के व्यक्तित्व में मातृभूमि के प्रति जो सेवा का भाव था, वह और प्रगाढ़ होता चला गया। सामाजिक कार्यों और शिक्षा अर्जन करते हुए जब कुछ समय बीता और इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी हुई तब उन्होंने भिलाई स्टील प्लांट में नौकरी की। जीवन की व्यस्तता बढ़ने के बाद भी उन्होंने राष्ट्र के प्रति सेवा और सामाजिक कल्याण की भावना का त्याग नहीं किया।

व्यास जी के भीतर मां भारती की सेवा और छत्तीसगढ़ के लोककल्याण की भावना इस प्रकार निहित थी कि जब उन्हें ऐसा प्रतीत हुआ कि उनकी नौकरी की वजह से वे समाज को समय नहीं दे पा रहे हैं, तब उन्होंने भिलाई स्टील प्लांट की नौकरी से त्यागपत्र देकर पूर्ण रूप से स्वयं को समाज के प्रति समर्पित कर दिया।

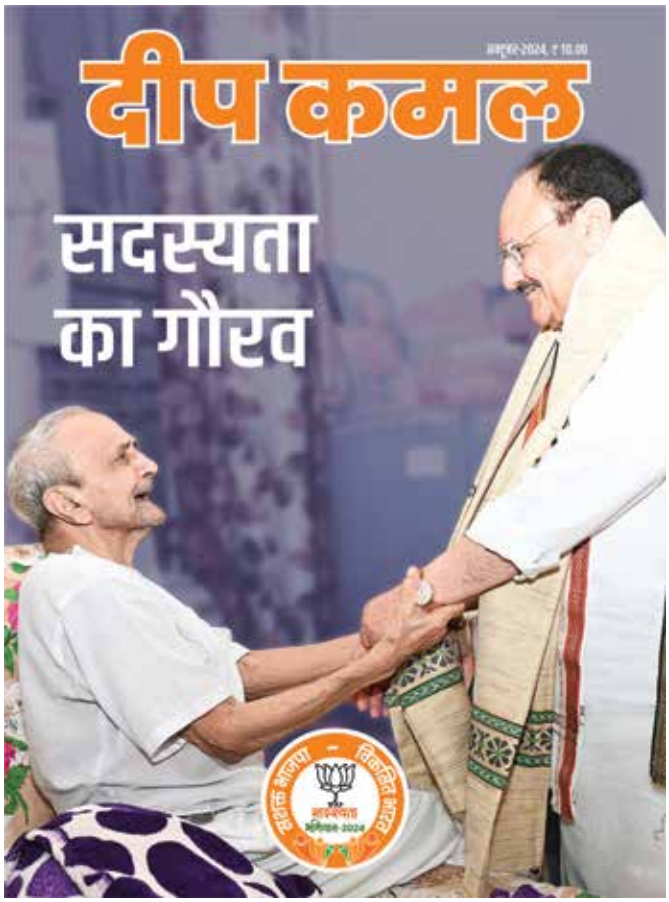

दीप कमल का पिछले अंक का आवरण श्री गोपाल व्यास जी को ही समर्पित था।

गोपाल व्यास जी निरंतर संघ के संपर्क में रहे और उन्होंने प्रचारक जीवन प्रारंभ किया क्षेत्र कार्यवाह और क्षेत्र प्रचारक (मध्य क्षेत्र) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया और विश्व हिंदू परिषद विदेश संपर्क का भी दायित्व उन्हें प्राप्त हुआ जिसका श्री गोपाल व्यास जी ने सच्ची श्रद्धा और लगन के साथ निर्वाहन किया। यह वही समय था जब आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष करते हुए श्री गोपाल व्यास जी 1975 से 1977 तक रायपुर की जेल में बंद रहे और यहीं से श्री गोपाल व्यास जी संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच "शीरू भईया" बनकर लोकप्रिय हो गए।

मुझे भी शीरू भईया (श्री गोपाल व्यास

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

जी) के साथ एक लंबा वक्त बिताने का अवसर मिला, वर्ष 2003 में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तब मुझे मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी मिली थी। उस दौर का मुझे शीरू भईया के साथ यात्रा का एक संस्मरण स्मृति में आता है कि हम किसी अन्य राज्य से दौरा पूरा करके राजधानी रायपुर लौटे थे तब शीरू भईया भी हमारे साथ थे। हवाई जहाज से उतरकर एयरपोर्ट से बाहर जाते हुए मैंने अचानक ही उनसे कह दिया कि "हम आपके घर चलेंगे" उन्होंने बड़ी ही प्रसन्नता से कहा कि "आप घर आइये मैं तैयारी करके रखता हूं"। मैंने शीरू भईया से कहा कि तैयारी जैसी किसी भी चीज की आवश्यकता नहीं है हम साथ ही चले चलते हैं, इस पर उन्होंने कहा कि "आप मुख्यमंत्री हैं आपको एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए मीडिया के सवालों का जवाब देना होगा, जिसमें कुछ समय बीत जाएगा तब तक मैं घर पहुंचकर सारी व्यवस्था देख लूंगा" उन्होंने इतना कहा और एयरपोर्ट से ही ऑटो में बैठकर अपने घर के लिए निकल गए।

राजधानी में जब मुख्यमंत्री का काफिला गुजरता है तब पुलिस और प्रशासन को ट्रैफिक की एक व्यवस्था निर्मित करनी होती है और कुछ मार्गों पर आवागमन थोड़ी देर के लिए रोक दिया जाता है। जब शीरू भईया एयरपोर्ट से निकले उसके कुछ ही देर बाद मुझे भी निकलना था, संयोग ऐसा बना कि जिस मार्ग से वह अपने घर जा रहे थे, उसी मार्ग से मैं भी उनके घर जा रहा था और ट्रैफिक व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों ने उस मार्ग पर आवागमन रोक दिया, जिस मार्ग में उनका ऑटो था।

शीरू भईया इतने सरल और सादगी से भरे व्यक्तित्व थे कि उन्होंने केवल एक बार व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मी से इतना ही कहा कि "मुख्यमंत्री मेरे ही घर जा रहे हैं, भाई मुझे तो जाने दो" लेकिन जब ट्रैफिक पुलिस ने उनकी बात नहीं मानी तब वे शांतिपूर्वक अपने ऑटो में ही बैठे रहे और जब मैं उनके निवास पहुंचा तब यह पता चला कि वे तो अभी तक घर पहुंचे ही नहीं है तब वायरलेस के माध्यम से पुलिस को यह सूचना दी गई और उनका ऑटो ट्रैफिक से निकलकर उनके घर पहुंचा।

यह संस्मरण मैं जब भी याद करता हूं तब मुझे शीरू भईया की सादगी और उनकी सरलता आंखों के सामने दिखाई पड़ जाती है। उन्होंने कभी भी सत्ता को शक्ति नहीं बल्कि सेवा का मार्ग समझा। उनका मानना था कि हमें अपना जीवन सीमित संसाधनों में व्यतीत करना चाहिए और कभी भी सत्ता या अधिकारों से प्राप्त ताकत का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। वे एक लंबे अरसे तक स्कूटर पर ही चला करते थे, 2006 से 2012 तक जब वे राज्यसभा सदस्य भी बन गए और उन्हें महासमुंद लोकसभा की जिम्मेदारी दी गई तब भी वे बस के माध्यम से महासमुंद पहुंच जाया करते जबकि प्रशासन द्वारा उनके लिए गाड़ी की व्यवस्था की जा सकती थी। शीरू भईया राज्यसभा सदस्य रहते हुए न केवल अपने सांसद निधि का लोककल्याण के लिए बेहतर उपयोग करते थे बल्कि जब भी आवश्यकता होती तब वे अपने वेतन को भी सामाजिक कार्यों में समर्पित कर देते थे।

शीरू भईया इतने सरल और सादगी से भरे व्यक्तित्व थे कि उन्होंने केवल एक बार व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मी से इतना ही कहा कि "मुख्यमंत्री मेरे ही घर जा रहे हैं, भाई मुझे तो जाने दो" लेकिन जब ट्रैफिक पुलिस ने उनकी बात नहीं मानी तब वे शांतिपूर्वक अपने ऑटो में ही बैठे रहे और जब मैं उनके निवास पहुंचा तब यह पता चला कि वे तो अभी तक घर पहुंचे ही नहीं है तब वायरलेस के माध्यम से पुलिस को यह सूचना दी गई और उनका ऑटो ट्रैफिक से निकलकर उनके घर पहुंचा।

हम सभी ने प्राचीन काल के ऋषि मुनियों और संतों की कहानी सुनी है जो दूर जंगल में निवास करते हुए लोक कल्याण के लिए कार्य करते थे और वापस अपने उस छोटे से आश्रम में लौट जाया करते थे। शीरू भईया के पास कोई आश्रम तो नहीं था लेकिन टाटीबंध में भारत माता स्कूल के निकट उनका एक पुराना और छोटा सा मकान जरूर था। उस मकान में शीरू भईया जिस पलंग पर सोते थे, उस आधे पलंग पर उनकी किताबें रखी रहती थी। उन्होंने आजीवन किताबों का साथ नहीं छोड़ा। वे शिक्षा के प्रबल पक्षधर थे, उनका यह मानना था कि हमें सदैव सीखने पर जोर देना चाहिए, नए विचारों को सुनना चाहिए और यदि परमात्मा ने हमें सक्षम बनाया है तब हमें स्वयं को समाज की सेवा में समर्पित करना चाहिए।

उस छोटे से पुराने मकान में जब कार्यकर्ता उनसे मिलने आते तब सभी उनसे यही आग्रह करते कि आप नया मकान क्यों नहीं ले लेते हैं? इस सवाल पर शीरू भईया एक मुस्कुराहट के साथ जवाब देते थे कि जीवन व्यतीत करने के लिए जितनी जगह चाहिए वह इस घर में पर्याप्त है। इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने बड़ी जिद के साथ उन्हें इस बात के लिए राजी किया कि वे पुराना मकान छोड़कर नये मकान में चलें। अंततः सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर उस पुराने मकान को बेचा और विधायक कॉलोनी में उन्हें गृह प्रवेश करवाया।

श्री गोपाल व्यास जी का भारतीय जनता पार्टी के विचारों के प्रति पूरा विश्वास था। संगठन के लिए अपने अंतिम समय तक वे निरंतर सक्रिय रहे। बीते दिनों जब भारतीय जनता पार्टी ने सदस्यता अभियान चलाया तब स्वयं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा रायपुर पहुंचे थे और श्री गोपाल व्यास जी को बीजेपी का सदस्य बनाया था। वे केवल एक औपचारिक सदस्य नहीं थे बल्कि अस्वस्थ होने से पहले तक जब भी संगठन से जुड़ा कोई व्यक्ति उनके पास पहुंचता तब हमारे शीरू भईया उनका मार्गदर्शन करते और संगठन के प्रति विश्वास रखकर निरंतर जन सेवा के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रेरित करते थे।

अपनी सादगी, सरलता, अपने विचार और आदर्शों पर अडिग रहे श्री गोपाल व्यास जी (शीरू भईया) एक ऐसे आदर्श पुरुष के समान हैं जो छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए सेवा और समर्पण का पर्याय है। ऐसे व्यक्तित्व का देहावसान सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है जिसकी भरपाई संभव नहीं। शीरू भईया के साथ व्यतीत किये समय को जब मैं स्मरण करता हूं तब उनके विचार मुझे आज भी प्रेरित करते हैं, उनका इस प्रकार जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। मैं ईश्वर से यही कामना करता हूं कि वे हमारे शीरू भैया को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें और उनके विचारों से प्रेरित होकर नई पीढ़ी सामाजिक सेवा, लोककल्याण के महत्व को समझकर बेहतर समाज और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ पाए। ।•••

लेखक छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष हैं।

श्री गोपाल व्यास जी को सादर नमन...

छत्तीसगढ़ राजनीति के पुरोधा, प्रखर चिंतक, त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति श्रद्धेय श्री गोपाल व्यास जी अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका पूरा जीवन राष्ट्र, प्रदेश और समाज को समर्पित तो रहा ही.. अब देहावसान के बाद उनका पार्थिव शरीर भी समाज के काम आएगा। जैसे महर्षि दधीचि ने समाज कल्याण के लिए भगवान इंद्र को अपनी अस्थि दान में दे दी थी, उसी तरह गोपाल व्यास जी ने अपना शरीर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दान कर दिया।

समाज जीवन में थे सर्वप्रिय : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा- श्री गोपाल व्यास जी के निधन के बारे में जानकर बहुत दुःख हुआ। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं परिवार व शुभचिंतकों के साथ हैं। सरल व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी श्री गोपाल व्यास जी ने सार्वजनिक जीवन में विभिन्न दायित्वों का कुशलता से निर्वहन किया। संघ की विचारधारा से जन-जन को जोड़ने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन्न विषयों पर उनके गहरे विचार व लोगों से जुड़ाव अद्भुत था।

सरलता व सादगी के प्रतिमूर्ति थे गोपाल व्यास जी : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल व्यास के निधन पर शोक व्यक्त किया। सीएम साय उनके पुरैना स्थित निवास पहुंचे और अंतिम दर्शन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यास जी गृहस्थ रहते हुए भी महान संत थे। उनकी सरलता और सादगी ने सभी को प्रभावित किया। सीएम साय ने श्री गोपाल व्यास जी के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि यह मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला।

हम सबने अपने पालक को खोया है : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने श्री गोपाल व्यास के निधन पर शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि वे छत्तीसगढ़ के हितचिंतक थे। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए सदैव चिंतन करने वाले मनीषी का चला जाना हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है।

अंत्योदय के उपासक थे श्री गोपाल व्यास जी : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पूर्व राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री गोपाल व्यास जी का समूचा जीवन अंत्योदय के माध्यम से समाज में समरसता के लिए समर्पित था। उनका जीवन हम सबके लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने जो मार्ग हमें दिखाया है उस पर हम सर्व कल्याण के लिए गतिमान रहेंगे।

श्रद्धेय श्री गोपाल व्यास जी कुल श्रेष्ठ थे : विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय श्री गोपाल व्यास जी एक प्रेरक पुरुष थे। उन्होंने समाज जीवन में त्याग की जिस परिभाषा को प्रतिष्ठित किया है। वह हम सबके वैचारिक अनुष्ठान को और मजबूती प्रदान करता है। उनके निधन से जो क्षति हुई है उसकी भरपाई इस युग में तो संभव नहीं है। ।•••

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

अंत्योदय के उपासक थे श्रद्धेय बद्रीधर दीवान जी

श्रद्धेय श्री बद्रीधर दीवान जी छत्तीसगढ़ भाजपा के आधार स्तंभ रहे। भाजपा के संस्थापक सदस्यों में एक श्री बद्रीधर दीवान जी ने जीवनभर मूल्य आधारित राजनीति की और हमेशा अंत्योदय और राष्ट्रवाद की विचारधारा को बढ़ावा दिया। बेलतरा विधानसभा से 4 बार विधायक रहे श्री बद्रीधर दीवान जी ने ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पद पर रहकर दहेज विरोधी अभियान को प्रखर स्वरूप प्रदान किया। समाज के गरीबों के उत्थान के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे और गरीबी उन्मूलन कार्यों में उनका विशेष योगदान रहा। आपातकाल के दौरान उन्होंने लगभग 19 महीने जेल में बिताए।

जनसंघ से जुड़कर समाजसेवा की

श्री बद्रीधर दीवान जी का जन्म 27 नवंबर 1929 को बिलासपुर जिले के देवरी में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा के बाद उनका रुझान सामाजिक कार्यों की ओर होने लगा। उन्होंने जनसंघ से जुड़कर समाजसेवा की शुरुआत की। इसके बाद भाजपा की स्थापना के समय छत्तीसगढ़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे रतनपुर महामाया मंदिर के आजीवन ट्रस्टी भी रहे।

1990 में पहली बार विधायक बने

श्रद्धेय श्री बद्रीधर दीवान जी को भाजपा के स्थापना के बाद बिलासपुर के जिलाध्यक्ष बनाए गए। उन्हें भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली। वे लगभग 10 साल तक राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रहे। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 1990 में बद्रीधर दीवान जी पहली बार विधायक चुने गए। इसी साल वे मध्य प्रदेश राज्य परिवहन निगम के उपाध्यक्ष बनाए गए थे। छत्तीसगढ़ राज्य बनने पर उन्होंने 2003, 2008 और 2013 में बेलतरा विधानसभा सीट से शानदार जीत दर्ज की। साथ ही 2005 और 2015 में दो बार छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष बनाए गए। श्री बद्रीधर दीवान जी विभिन्न समितियों के सदस्य और सभापति भी रहे हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अमिट छाप छोड़ी। 4 मई 2021 को 92 साल की आयु में श्री बद्रीधर दीवान जी का देहावसान हो गया। उनका निधन भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके विचार आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक और प्रेरणा के स्त्रोत हैं। ।•••

विष्णु देव साय

हम सबका आधार जनजातीय समाज

देश के क्रांतिकारी जनजातीय नायक धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा जी की 150 वीं जयंती को प्रदेश और केन्द्र सरकार ने ''जनजातीय गौरव दिवस'' के रूप में मनाने की शुरूआत की है तथा जनजातीय संस्कृति, परंपरा और अधिकारों का संरक्षण करने का संदेश दिया है। 14-15 नवंबर 2024 को आयोजित कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़, अपने जनजातीय गौरव शहीद वीर नारायण सिंह, गुण्डाधूर, शहीद डेबरीधुर, शहीद धुर्वाराव माड़िया, शहीद हिड़मा मांझी और शहीद गेंदसिंह जैसे अनेक नायकों के योगदान और बलिदान को याद कर रहा है। इन जननायकों ने आजादी के लिए ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हुए जल, जंगल, जमीन तथा जनजातीय- अस्मिता की रक्षा की। युवा पीढ़ी इनसे सदैव प्रेरणा लेती रहेगी।

भारतीय संस्कृति पांच हजार सालों से अधिक समय से प्रवाहमान है जो आरण्यक, ग्राम्य, नगरीय जीवन-शैलियों को एक सूत्र में पिरोती रही है। जनजातीय समाज का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। उनकी समृद्ध परंपराएं रही हैं। वे गहरी आध्यात्मिक चेतना के वाहक रहे हैं। शुक्ल यजुर्वेद में कहा गया हैः नमो वन्याय च कक्ष्याय च नमः-अर्थात उन एक को नमस्कार है, जो वनों में वनों और झाड़ियों के रूप में हैं। हम सब कभी न कभी वन्य समाज का ही हिस्सा थे। हम सबका आधार जनजातीय समाज ही रहा है।

भारत के गौरवशाली इतिहास में आदिवासी समाज का अग्रणी योगदान रहा है। अंग्रेजी राज में भी अंग्रेजों को सबसे ज्यादा चुनौती वन क्षेत्रों से ही मिली। जनजातीय नेता तिलका मांझी जी ने अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष करते हुए सन् 1785 में बलिदान दिया। तिलका मांझी जी ने राजमहल, झारखंड की पहाड़ियों पर ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लिया था।

भारत के गौरवशाली इतिहास में आदिवासी समाज का अग्रणी योगदान रहा है। अंग्रेजी राज में भी अंग्रेजों को सबसे ज्यादा चुनौती वन क्षेत्रों से ही मिली। जनजातीय नेता तिलका मांझी जी ने अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष करते हुए सन् 1785 में बलिदान दिया। तिलका मांझी जी ने राजमहल, झारखंड की पहाड़ियों पर ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लिया था।

स्वतंत्रता के 78 सालों में देश ने जो विकास किया है, उसमें जनजातीय समुदायों के योगदान का सबसे पहले स्मरण करने और उन्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इसकी सर्वश्रेष्ठ पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मु को देश का राष्ट्रपति बनाकर की है। श्रीमती मुर्मु हाल ही में छत्तीसगढ़ प्रवास पर थीं। इस दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा। स्पष्ट है कि विकसित छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज का योगदान अनिवार्य है। सबको विदित ही है कि छत्तीसगढ़ में गोंड, अबुझमाड़िया, मुरिया, हलबा, धुर्वा, उरांव, कोल, कोरवा, कमार, बैगा सहित अनेक जनजातियां निवास करती हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातियों के कल्याण के लिए गरीबी उन्मूलन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, भूमि सुधार, संस्कृति के संरक्षण, महिलाओं के सशक्तीकरण जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कई अभिनव कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की हैं। इनका लाभ उठाकर जनजातीय समुदाय उत्तरोत्तर विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जनजातीय समुदायों को कई सुविधाएं दी जा रही हैं, इनमें पक्के घर, पक्की सड़क, नल से पानी, आंगनबाड़ी केंद्र, मोबाइल मेडिकल यूनिट, वनधन केंद्र, इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। जनजातीय समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

बस्तर का जनजातीय समुदाय सालों से माओवादी हिंसा का दर्द झेल रहा है। गुजरे माह जब नक्सल पीड़ित आदिवासी नई दिल्ली में पहली बार राष्ट्रपति से मिले तो पूरे देश ने इस पीड़ा को महसूस किया।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

सुखद दृश्य यह भी है कि जो युवा नक्सली बंदूक थाम रहे थे, अब वे डॉक्टर, इंजीनियर, आईआईटीयन बनकर देश की सेवा में लगे हैं। हमारी सरकार ने भी एक नया नारा देते हुए नक्सलियों को चेता दिया है कि गोली का जवाब गोलीः बोली का जवाब बोली। जनजातीय क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लिए सरकार ने सुरक्षा और विकास को मूल मंत्र बनाया तथा नियद नेल्ला नार जैसी योजना शुरू की है। एक साल के अंदर इसके उत्साहजनक परिणाम मिले हैं।

हमारी सरकार आदिवासी मातृशक्ति के कल्याण को तत्पर है। महतारी वंदन योजना के तहत जनजातीय समुदाय की महिलाओं को एक हजार रूपये प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। जनजातियों को वन अधिकार पत्र, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुकर पालन और गाय पालन के लिए शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। एक नयी पहल के तहत जनजातीय बहुल इलाकों में जिमीकंद, हल्दी, तिखुर जैसी फसलों के उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदायों के लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। आदिवासियों को राज्य और केन्द्र शासन द्वारा संचालित लगभग 52 योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। हमारे जनजातीय क्षेत्रों के युवा अब अखिल भारतीय परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अन्य क्षेत्र के युवाओं के लिये भी प्रेरणा का स्त्रोत बन रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण जिन उददेश्यों के लिए किया था, उसकी बड़ी सार्थकता देखिए कि आज यहां के जनजातीय समाज को मुख्यमंत्री पद का दायित्व मिला है। आज बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय विकास की मुख्यधारा से जुड़कर और योजनाओं का लाभ उठाकर अपना जीवन बेहतर बना रहे हैं।

हमारी सरकार ने विजन 2047 का लक्ष्य सामने रखते हुए राज्य के सभी जनजातीय समुदायों का निरंतर कल्याण करने का संकल्प लिया है। इसी तारतम्य में हमने जनजातीय समुदायों के विकास के लिए गठित विकास प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व को और सशक्त किया है। उन्हें और अधिक उत्तरदायी बनाया है। हाल ही में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बजट को बढ़ाकर 75 करोड़ कर दिया है, साथ ही मयाली नेचर कैम्प को नया पर्यटन केन्द्र बनाने के लिए 10 करोड़ रूपये स्वीकृत किए हैं। आज छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार जनजातीय समाज को उसके इतिहास, उसकी विरासत और उसकी संस्कृति के नजरिए से देखने वाली सरकार है। इसी के आधार पर हमने जनजातीय क्षेत्रों के विकास की रणनीति तय की है। 25 वर्ष का युवा छत्तीसगढ़ अपने जनजातीय अस्मिता और गौरव का स्मरण कर, उससे प्रेरणा लेकर विकसित भारत बनाने के मोदी जी के सपने को पूरा करने जी-जान से प्रयासरत होगा, अब इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है।

जय जोहार! ।•••

लेखक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री हैं।

लोक संस्कृति ही वनवासी जीवन की कृतिः मंडाविया

समाज के उत्थान के लिए हम सब जुटे हुए हैं : साय

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर देशभर में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। छत्तीसगढ़ के जशपुर में जनजातीय गौरव दिवस पर माटी के वीर पदयात्रा का आयोजन किया गया। इसके तहत आदिवासी संस्कृति-विरासत को बढ़ावा देने और जनजाति समुदायों को लाभ पहुंचाने वाली सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 10,000 से ज्यादा 'माय भारत यूथ वालंटियर्स' ने हिस्सा लिया। केंद्रीय खेल, श्रम और रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए। जनजातीय गौरव दिवस पर देश-दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन करने

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

केंद्रीय खेल, श्रम और रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि देश को समृद्ध बनाने के लिए युवा अपने कर्तव्यों का निर्वहण करें। सेवा, भारतीयों के संस्कार है, देश को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए हम जहां है, वहां से राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य निभा सकते हैं।

बनेगा स्टेडियम : श्री मंडाविया ने अपने उद्बोधन के क्रम में यह घोषणा की कि इस क्षेत्र में केंद्र सरकार की सहायता से एक अच्छा स्पोर्ट्स स्टेडियम बनेगा, ताकि यहां के जिन युवाओं में खेलने की स्किल है, उसको उजागर कर विकसित भारत में खेल जगत में वैश्विक क्षेत्र पर हमें एक से पांच के क्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय नायकों के शौर्य, साहस, पराक्रम और बलिदान के प्रतीक बन चुके हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंद सिंह और शहीद गुंडाधुर सहित सभी जनजातीय नायकों और बलिदानियों को याद किया। उन्होंने कहा कि देश के जनजातीय समूहों के उत्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जितने काम हुए हैं, उतने काम कभी नहीं हुए। उन्होंने भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने जनजातीय समाज के कल्याण के लिए एक पृथक मंत्रालय बनाकर इन कामों की शुरूआत की थी। भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा जनजातीय समुदायों को सम्मान दिया है। भाजपा की पहल पर आज जनजातीय समुदाय की श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी देश की राष्ट्रपति हैं। वे इस सर्वोच्च पद पर भारत का मान बढ़ा रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ये भी कहा कि जनजातीय संस्कृति, प्रकृति से प्रेम करने की संस्कृति है। यह संस्कृति सौहार्द्रता की संस्कृति है। यह संस्कृति परस्परता की संस्कृति है। यह संस्कृति शांति और सद्भाव की संस्कृति है।

छत्तीसगढ़ में परिवर्तन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि "आज छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार जनजातीय समाज को उसके इतिहास,

उसकी विरासत और उसकी संस्कृति के नजरिए से देखने वाली सरकार है। इसी के आधार पर हमने जनजातीय क्षेत्रों के विकास की रणनीति तय की है। इस डबल इंजन की सरकार के केवल 11 महीनों के अल्प समय में छत्तीसगढ़ में लगभग 31 हजार करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं स्वीकृत हुई है। राज्य में अनेक महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। अम्बिकापुर में मां महामाया एयरपोर्ट का शुभारंभ हुआ है। जगदलपुर में हवाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इसी तरह रायपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी बढ़ी है। दुर्गम से दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल टॉवरों की स्थापना की जा रही है। पर्यटन का विकास करते हुए जनजातीय क्षेत्रों में रोजगार के सैकड़ों अवसरों का सृजन किया जा रहा है। जनजातीय समुदायों की आय में बढ़ोतरी के लिए तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4 हजार रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए मानक बोरा कर दी गई है। पिछले 11 महीनों के दौरान प्रदेश में ज्ञान और रोजगारपरक शिक्षा प्रणाली, स्कूली शिक्षा का सुदृढ़ीकरण, प्रयास आवासीय विद्यालयों का विस्तार, दिल्ली के ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों का तीन गुना से अधिक विस्तार आईटीआई का आधुनिकीकरण जैसे अनेक कदम उठाए गए हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अन्याय के खिलाफ अंग्रेजों से लोहा लिया। लोगों को उनका हक दिलाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। युवाओं को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर देश को विकसित बनाने के अभियान सहभागी बनना चाहिए।

आदिम जाति और अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज की पदयात्रा में 15 हजार से अधिक नौजवान शामिल हुए। सभी शुरू से अंत तक पैदल चलकर एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को गौरव दिवस के रूप में स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने पीएम जनमन सहित धरती आबा उत्कर्ष योजना से आ रहे बदलाव के बारे में बताया। वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने समारोह के अंत में आभार व्यक्त किया। ।•••

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने पहले सक्रिय सदस्य

सदस्यता अभियान 2 सितंबर से 25 सितंबर व 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चला

सक्रिय सदस्यता अभियान 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16 अक्टूबर, 2024 को भाजपा के सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ ही, श्री मोदी भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बने। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के राष्ट्रीय संयोजक विनोद तावड़े उपस्थित रहे।

इसी क्रम में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 16 अक्टूबर, 2024 को सक्रिय सदस्यता अभियान के अन्तर्गत भाजपा की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण कराया। अगले दिन ही 17 अक्टूबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भाजपा के राष्ट्रव्यापी 'सक्रिय सदस्यता अभियान' के अंतर्गत सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कराया।

ध्यातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से 2 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय विस्तार में भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ हुआ था। सदस्यता का पहला चरण 2 सितंबर से 25 सितंबर तक चला, दूसरा चरण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चला और उसके बाद सक्रिय सदस्यता अभियान 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चला।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

सदस्यता अभियान जमीनी स्तर पर भाजपा को और मजबूत करेगा : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर लिखा- "'विकसित भारत' बनाने के हमारे प्रयास को गति देते हुए! भाजपा कार्यकर्ता के रूप में आज हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी की उपस्थिति में प्रथम सक्रिय सदस्य बनने तथा सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने पर मुझे गर्व है। यह एक ऐसा अभियान है जो जमीनी स्तर पर हमारी पार्टी को और मजबूत करेगा तथा राष्ट्रीय प्रगति के लिए हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा। सक्रिय सदस्य बनने के लिए एक कार्यकर्ता को एक बूथ या एक विधानसभा सीट पर 50 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा। ऐसे कार्यकर्ता मंडल समिति और उससे ऊपर के पदों के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। साथ ही, उन्हें आने वाले समय में पार्टी के लिए काम करने के कई अवसर मिलेंगे।"

पूर्व उपप्रधानमंत्री भारतरत्न श्री लालकृष्ण आडवाणी सक्रिय सदस्य बनें।

सक्रिय सदस्यता अभियान का सभी हिस्सा बनें : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 'एक्स' पर लिखा— "भाजपा के राष्ट्रव्यापी 'सक्रिय सदस्यता अभियान' के अंतर्गत सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कर गौरवान्वित हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आरंभ हुआ यह अभियान मंडल, जिला और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगा व कोटिशः कार्यकर्ताओं को 'विकसित भारत' निर्माण के संकल्प के साथ समाज सेवा करने के अवसर प्रदान करेगा। मैं समस्त कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि सक्रिय सदस्य के रूप में अभियान का हिस्सा बनें और संगठन को मजबूती प्रदान करें।"

राष्ट्र निर्माण के इस अभियान से जुड़िए : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'एक्स' पर लिखा— "सक्रिय सदस्यता अभियान के अन्तर्गत भाजपा की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण किया। भाजपा की सक्रिय सदस्यता हर कार्यकर्ता को देश और समाज के निर्माण के लिए काम करने का अवसर देती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के इस अभियान से आप भी जुड़िए और पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण कीजिये।"

यह अभियान भाजपा को दुनिया की सबसे मजबूत पार्टी बनाएगा : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर लिखा- "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बनकर 'सक्रिय सदस्यता अभियान' की शुरुआत की। मैंने भी इस अभियान के तहत भाजपा की सक्रिय सदस्यता ली। भाजपा के कार्यकर्ता अपने बूथ या विधानसभा क्षेत्र में 50 नए सदस्यों को पंजीकृत कर सक्रिय सदस्य बन सकते हैं। यह अभियान न केवल भाजपा के सदस्यता अभियान को और अधिक गति प्रदान करेगा, बल्कि इसके माध्यम से राष्ट्रप्रथम को जीवन का ध्येय बनाने वाले सक्रिय सदस्य भी आगे आएंगे। यह अभियान भाजपा के कर्मठ, सुयोग्य व समर्पित कार्यकर्ताओं को उभारकर भाजपा को दुनिया की सबसे मजबूत पार्टी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।"

सदस्यता लक्ष्य को पूर्ण करने पर होगा सम्मान

प्रदेश में एक लाख सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य

भाजपा छत्तीसगढ़ द्वारा प्राथमिक सदस्यता अभियान 2024 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में अभी तक की रिकॉर्ड सदस्यता करने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन स्वरूप अलग-अलग श्रेणी में सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया है। यह सम्मान समारोह जिला एवं प्रदेश स्तर पर नवंबर महीने के अंत में आयोजित किया जाएगा।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव ने बताया कि 100 से अधिक सदस्य बनाने वालों को जिला स्तर पर सदस्यता शतक वीर पुरस्कार, 500 से अधिक सदस्य बनाने वालों को सदस्यता शक्ति पुरस्कार, 1000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता दीप और प्रदेश स्तर पर 3000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता श्री, 5000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता गौरव, 10000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता रत्न और 20000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विधायकों, सांसदों को पृथक से सम्मानित किया जाएगा।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक श्री सिंहदेव ने कहा कि भाजपा का यह सदस्यता अभियान 2 सितंबर से प्रारंभ हुआ, जो लगातार अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भाजपा के सबसे पहले सदस्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने, उनके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सहित देशभर में भाजपा के सदस्य बने।

छत्तीसगढ़ में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सदस्यता दिलाई। भाजपा का सदस्यता अभियान लगातार जारी है। अभी सक्रिय सदस्यता अभियान भी तेजी से चल रहा है। इससे पूर्व दिल्ली में सस्यता अभियान को लेकर हुई प्रगति बैठक में प्रदेश भाजपा की प्रशंसा हुई थी।

31000 सक्रिय सदस्य बने

15 नवंबर तक चला प्रदेश में सक्रिय सदस्यता अभियान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भाजपा की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण किया।

प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सक्रिय सदस्य बने।

सक्रिय सदस्यता अभियान से सभी जुड़ें : श्रीवास्तव

सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक संजय श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के 405 मंडलों में भाजपा सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक मंडल में 200 सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 31000 सक्रिय सदस्य बनाए गए हैं। जिसे लेकर प्रदेश में एक लाख सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान 15 नवंबर तक प्रदेशभर में चलाया जा रहा है। उन्होंने पार्टी कार्यकार्ताओं से अपील की है कि इस अभियान में अधिक से अधिक जुड़कर सफल बनाएं।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

भाजपा सदस्यता अभियान की ऐतिहासिक सफलता को लेकर संगठन ने की विभिन्न पुरस्कारों की घोषणा

जिला स्तर पर सम्मान

प्रदेश के 405 मंडलों में चल रहा सक्रिय सदस्यता अभियान

प्रत्येक मंडल को 200 सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य

प्रदेश स्तर पर सम्मान

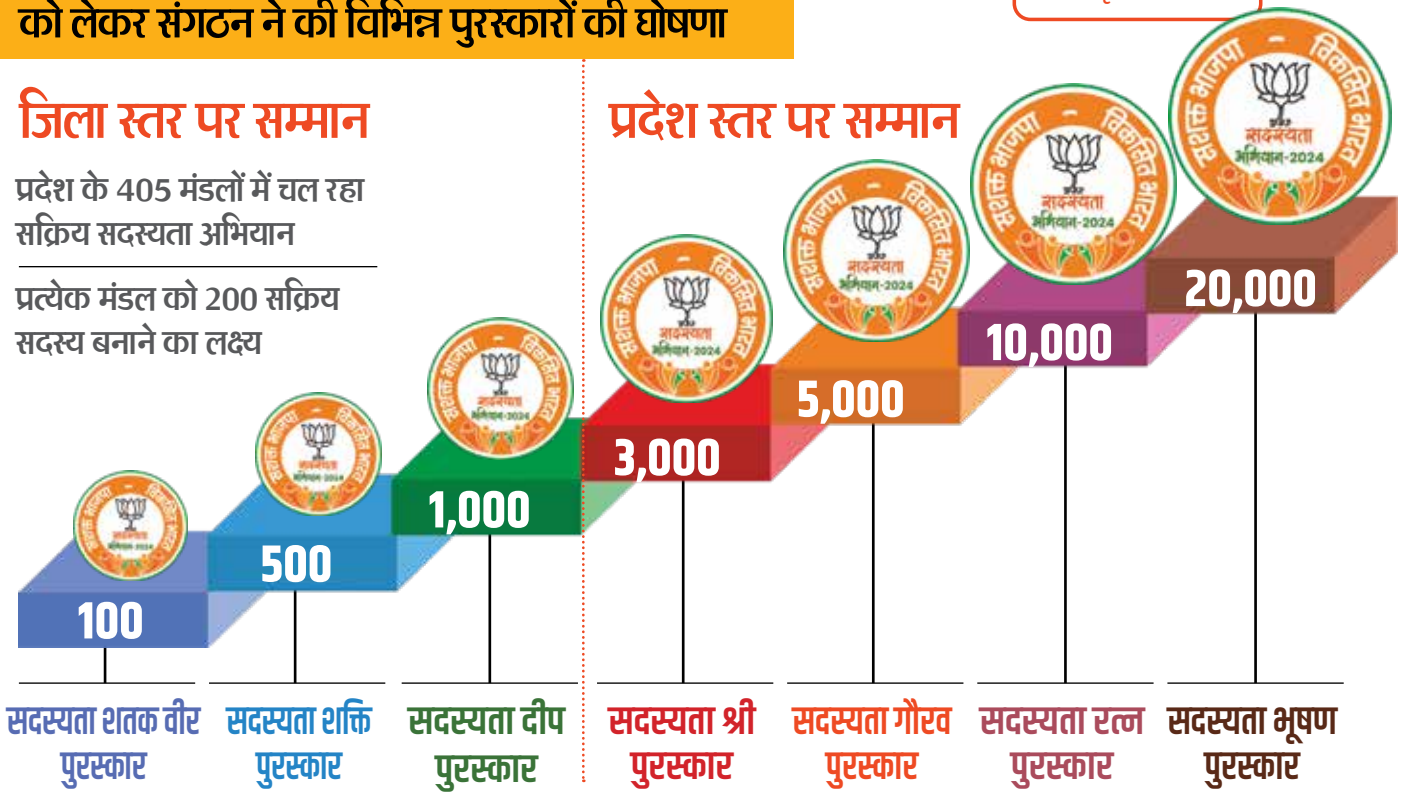

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भाजपा की सक्रिय सदस्यता ग्रहण किया।

उप मुख्यमंत्री ने विजय शर्मा ने सक्रिय सदस्यता ली।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जाम्वाल सक्रिय सदस्य बने।

प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने सक्रिय सदस्य बने।

छत्तीसगढ़ को भाजपा ही संवारेगी

शशांक शर्मा

भाजपा के द्वारा एक नारा हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान चल पड़ा, हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे। यह केवल एक नारा नहीं है, बल्कि एक सच्चाई है। यह केवल छत्तीसगढ़ की दृष्टि से नहीं बल्कि वर्ष 2000 के नवंबर माह में गठित तीनों राज्यों उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ के लिए लागू होते दिख रहा है। तीनों प्रदेश अपने राज्य गठन की 24वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। अगर छत्तीसगढ़ की बात करें तो राज्य निर्माण के बाद के 24 वर्षों में से लगभग 16 वर्षों तक भाजपा का शासन रहा है और अभी भी चल रहा है। शेष बचे 8 वर्षों में कांग्रेस पार्टी का शासन रहा और जनता उस काल में त्रस्त हो गई, भ्रष्टाचार और अराजकता से परेशान होकर जनता ने कांग्रेस की सत्तारूढ़ सरकार को उखाड़ फेंकने में अपनी भलाई समझी।

छत्तीसगढ़ खनिज, वन, जल, भूमि संसाधन से अमीर क्षेत्र है किंतु इस क्षेत्र की कोई राष्ट्रीय पहचान नहीं थी। देश में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक थी। एक राजनीतिक नारा चल पड़ा था, अमीर धरती के गरीब लोग, डॉक्टर रमन सिंह के नेतृत्व में सरकार ने गरीब लोगों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। प्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए बस्तर और सरगुजा विकास प्राधिकरण का गठन किया गया, इन प्राधिकरणों के माध्यम से जनजाति समाज के उत्थान के लिए अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के विकास के लिए पर्याप्त राशि प्रदान की गई। वैसे भी जनजाति समाज के विकास की दृष्टि भाजपा में प्रारंभ से रही थी। तेंदूपत्ता तुड़ाई के लिए मजदूरी बढ़ाने और इस व्यापार से होने वाले लाभ का हिस्सा जनजाति समाज के लोगों को भरपूर दिया गया। जनजाति समाज के मेधावी बच्चों को शहरों के श्रेष्ठ शालाओं में भर्ती कराकर पढ़ने की योजना बनाई गई। प्रदेश में आदिम जाति छात्रावासों की संख्या बढ़ी, उनको मिलने वाली छात्रवृत्ति में बढ़ोत्तरी की गई। कक्षा दसवीं के मेधावी छात्र छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं में प्रवेश दिलाने प्रयास विद्यालय राजधानी में प्रारंभ किया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में 70 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण अपनी आजीविका कृषि से प्राप्त करते हैं। 2000 में कांग्रेस की सरकार ने धान की फसल को गरीबी से जोड़ा था, कहा गया, धान उत्पादन वाले क्षेत्र और गरीबी का साथ होता है। राज्य निर्माण के बाद किसानों की उपज को सरकार ने मंडियों और आढ़तियों के भरोसे छोड़ दिया था। पण्डित दीनदयाल जी भी कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर जोर देते हैं वे अर्थव्यवस्था की प्राथमिकताओं का आकलन करते हुए कहते हैं "कृषि ही मानव के खाद्य का प्रमुख साधन है। यदि कृषि को प्रश्रय दिया जाएगा तो हमारे किसान स्वालम्बी होंगे और हमारे किसान स्वावलम्बी होंगे तो देश भी स्वावलम्बी होगा।" इस प्रकार दीनदयाल जी कृषि को राष्ट्र विकास का प्रथम सोपान मानते थे।

पंडित जी के विचारों का अनुसरण करते हुए भाजपा ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए विचार करना प्रारंभ किया। 2005 के बाद प्रदेश में एक तरफ धान के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में प्रयास शुरू किए गए। किसानों को मिलने वाला कृषि ऋण पर ब्याज दर को शून्य कर दिया, अधिकाधिक किसानों ने ऋण लेकर कृषि में निवेश बढ़ाया। किसानों को पंप कनेक्शन बांटे गए, बिजली की दरों में रियायत दी गई, सिंचाई की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की। बीज, खाद, कीटनाशक पर्याप्त मात्राएं समय पर किसानों को मिलने लगा। इससे धान उत्पादन करने वाले किसानों में उत्साह बढ़ा। राज्य बनते समय धान की शासकीय खरीदी 5 लाख मीट्रिक टन से भी कम होती थी। 2003 में धान का उत्पादन 57.51 लाख मीट्रिक टन था। इसके बाद धान का उत्पादन लगातार बढ़ता चला गया और 2017 में बढ़कर 131.89 लाख मैट्रिक टन हो गया। इस कारण लगातार प्रदेश को धान उत्पादन के लिए कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दूसरी ओर परिश्रम से प्रदेश का अन्नागार भरने वाले किसानों की उपज का एक एक दाना धान की खरीदी भाजपा की सरकार ने की। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर व्यवस्थित धान की खरीदी भाजपा के शासन में सहकारी समिति के माध्यम से प्रारंभ हुई। 2003 में धान (चावल) का उपार्जनत्र 27 लाख मीट्रिक टन था जो 2017 में बढ़कर 70 लाख मीट्रिक टन हो गया था। किसानों के धान का मूल्य अधिकाधिक देने की शुरुआत भी भाजपा की सरकार ने की थी। वर्ष 2008 से किसानों को बोनस देने की शुरुआत की गई। किसानों को धान के अलावा अन्य लाभकारी फसलों का उत्पादन लेने के लिए प्रेरित किया, संसाधन और सुविधाएं दी गई। दलहन तिलहन का रकबा और उत्पादन बढ़ा। सोयाबीन और गन्ना उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। साग, सब्जी, फलों का उत्पादन भी बढ़ा, इनका देश विदेश में व्यापार भी बढ़ा। किसान खुशहाल हुए, प्रदेश की आर्थिक स्थिति में बढ़ोत्तरी हुई। प्रदेश में गौ पालन और दुग्ध उत्पादन की दिशा में भी कार्य हुए। छत्तीसगढ़ में दुग्ध उत्पादन 2003 में 8 लाख 12 हजार टन होता था, उसे शासन के विशेष प्रयास से 2018 तक बढ़ाकर 13 लाख के पार किया गया। मत्स्य पालन, पोल्ट्री फार्म को विशेष प्रोत्साहन मिला। इससे ग्रामीण जीवनशैली बदली, गांव के घर पक्के हो गए, बिजली, पानी की सुविधा मिली, सड़क कंक्रीट के बन गए। गांव गांव में स्कूल, स्वास्थ्य की सुविधा मिली।

यह सोच भाजपा की रही है, किसी राज्य में विकास के मायने अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन है। यह परिवर्तन

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

आर्थिक के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाएं प्रदान करना, रोजगार के अवसर उपलब्ध करना भी है। छत्तीसगढ़ जब मध्यप्रदेश के साथ था, तब इस क्षेत्र की पहचान एक गरीब, पिछड़े की रही। राज्य निर्माण के बाद भाजपा के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि देश दुनिया में छत्तीसगढ़ की छवि बदली, एक प्रगति की ओर अग्रसर राज्य की बनी।

2023 में विधानसभा चुनाव में जनता ने एक बार फिर भाजपा पर अपना विश्वास जताया। यह उस नारे पर विश्वास था जो कहता है, छत्तीसगढ़ राज्य को भाजपा ने बनाया है, और वही उसे संवार सकती है। दिसंबर 2023 में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनी, इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान दी गई गारंटी को पूरा करने में समय नहीं लगा। पूर्व की भाजपा सरकार के शासनकाल के शेष दो बोनस की राशि 3,716 करोड़ रुपए 25 दिसंबर स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के दिन 13 लाख किसानों के खाते में डाले गए। कृषक उन्नति योजना के तहत धान उत्पादक किसानों की उपज 3100 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने का वादा निभाया। 24 लाख से अधिक किसानों ने समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड लगभग 145 लाख मीट्रिक टन धान भेजा, जिसका 31 हजार 913 करोड़ रुपए का भुगतान सुगमता से कर दिया गया। इसके बाद धान के लिए निर्धारित 3100 रुपए प्रति क्विंटल के अंतर की राशि 13 हजार 320 करोड़ रुपए किसानों के खातों में समय पर कर दी गई। सरकार बनने के बाद किसानों के कल्याण के लिए कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन किया गया है।

जनजाति समाज का उत्थान और कल्याण भाजपा की प्राथमिकता रही है, तेंदुपत्ता संग्राहकों के लिए तुड़ाई का पारिश्रमिक बढ़ाकर 5500 रुपए कर दिया गया है। संग्रहण की अवधि भी बढ़ाकर 15 दिन कर दिया गया है। इससे संग्राहक परिवारों में उत्साह दिखा और इस वर्ष 13 लाख परिवारों के 60 लाख लोगों ने तेंदुपत्ता संग्रहण किया। इस कार्य के लिए संग्राहकों को 855 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। बस्तर और सरगुजा विकास प्राधिकरण का गठन कर एक बार फिर जनजाति क्षेत्रों में विकास की गाड़ी चल पड़ी है। तेंदूपत्ता तोड़ने वालों के पैरों में चुभने वाले कांटों से सुरक्षा के लिए पुनः चरण पादुका योजना प्रारंभ की गई है। |•••

उत्थान के आंकड़ें

धान खरीदी, बोनस एवं कृषक उन्नति योजना

- खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक 24.75 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदने वाला छत्तीसगढ़, देश में प्रथम स्थान पर रहा है।
- विपणन वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार ने मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की जा रही है।
- राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 145 लाख मेट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड खरीदी की गई। किसानों को इसके एवज में 32 हजार करोड़ रूपए का त्वरित भुगतान किया गया।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत राज्य के 24.75 लाख किसानों को 12 जनवरी 2024 को धान की अंतर राशि 13320 करोड़ का एकमुश्त भुगतान किया गया।

विद्युत

- छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन में सरप्लस राज्य है। यहां सभी सेक्टर को मिलाकर कुल लगभग 25000 मेगा वॉट विद्युत का उत्पादन हो रहा है।
- छत्तीसगढ़ राज्य के स्वयं के ताप विद्युत गृहों एवं जलीय तथा सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से 2978.70 मेगा वॉट विद्युत का उत्पादन हो रहा है।
- घरेलू उपभोक्ताओं को 400 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना का लाभ दिया जा रहा है।
- राज्य के लगभग 17 लाख बीपीएल वर्ग के उपभोक्ताओं को 30 यूनिट तक निःशुल्क बिजली प्रदाय की जा रही है।

कृषि एवं सहकारिता

- राज्य के किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन कृषि ऋण 01 अप्रैल 2014 से उपलब्ध कराया जा रहा है। ऋण की अधिकतम सीमा 5 लाख रूपए तक है। फसल ऋण में नगद एवं वस्तु का अनुपात 60 अनुपात 40 है।
- गौ पालन के लिए कृषकों को 2 लाख रूपए तक का ऋण 01 प्रतिशत ब्याज तथा 2 लाख से अधिक एवं 3 लाख रूपए तक का ऋण 03 प्रतिशत ब्याज पर दिया जा रहा है।
- मछली पालन के लिए 3 लाख रूपए तक का ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज पर दिया जाता है।
- लाख पालन के लिए अल्पकालीन कृषि ऋण के समान ही शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण दिया जा रहा है।

महतारी वंदन योजना

- महतारी वंदन योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 10 मार्च 2024 को वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से किया था।
- महतारी वंदन योजना के तहत राज्य की 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक-एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।
- महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को अब तक 9 मासिक किश्तों में 5878.37 करोड़ रूपए की आर्थिक मदद दी जा चुकी है।

वन

- राज्य में तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर अब 5500 रुपए प्रति मानक बोरा कर दी गई है।
- 12 लाख 50 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को योजना का लाभ मिल रहा है। हितग्राहियों को बोनस का लाभ भी दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ देश के लिए एक मिसालः जगदीप धनखड़

डबल इंजन की सरकारें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को तेजी से लेकर जा रही विकास की राह परः डॉ. मोहन यादव

भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के राजनीतिक अनुष्ठान से बना है छत्तीसगढ़ : विष्णु देव साय

छत्तीसगढ़ राज्य के 24वें स्थापना दिवस पर आयोजित राज्य अलंकरण समारोह के मौके पर मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सबकी भागीदारी की जरूरत है। इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के लिए एक मिसाल, यहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास के नये कीर्तिमान बन रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने राज्य अलंकरण से सम्मानित विभूतियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के 36 सम्मान, जिन्हें देखकर मुझे ऊर्जा मिली है।

इस मौके पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मैं असम प्रदेश से आता हूं। यह हरा-भरा प्रदेश है। छत्तीसगढ़ और असम राज्य में कई समानताएं हैं। छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत हिस्सा वनों से घिरा हुआ है। दोनों ही राज्य प्राकृतिक सम्पदा से भरपूर है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखते हुए छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर सतत् आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन के शुरुआत अलंकृत हो रही सम्मानित विभूतियों को बधाई देते हुए की। उन्होंने कहा कि अलंकृत हो रही विभूतियों में नारायणपुर के बुटलू राम माथरा जी भी हैं। उनकी सराहना ''मन की बात'' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्योत्सव 03 करोड़ छत्तीसगढ़ियों की एकता और अखण्डता का प्रतीक है।

प्रगति का नया गढ़ बन रहा छत्तीसगढ़ः डॉ. मोहन यादव

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकारें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को तीव्र गति से विकास की राह पर लेकर जा रही है। डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जनहितैषी योजनाओं और माओवादी आतंक के विरूद्ध संचालित अभियान की सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ से माओवाद समाप्ति की ओर है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की साझा संस्कृति है, साझा विचार है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, यह सम्मान ऐसे ही हासिल नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ के लोग अपनी सहजता-सरलता के लिए, अपने धान के कटोरे के लिए और अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

हम अटल जी के सपनों को सच कर रहे हैं : विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारा सौभाग्य है कि राज्योत्सव के शुभारंभ के लिए मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आये हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत छत्तीसगढ़ के शहीद वीरनारायण सिंह, वीर गुंडाधुर सहित अन्य शहीदों के नमन से की। देश भर में जनजातीय समुदाय के शौर्य के प्रतीक बिरसा मुंडा का भी उन्होंने स्मरण किया। उन्होंने गुरु बाबा घासीदास, मिनी माता और महाराजा चक्रधर सिंह जैसी विभूतियों को भी नमन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का पुण्य स्मरण करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, माता शबरी, मधेश्वर महादेव तपोस्थल में ऋषि अगत्स्य सहित अन्य ऋषियों का भी स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का प्रेम सगे भाईयों की तरह है। दोनों राज्यों का स्थापना दिवस एक ही दिन है। मैं डॉ. मोहन यादव जी को भी स्थापना दिवस की बधाई देता हूँ और मध्यप्रदेश के भी तीव्र विकास की कामना करता हूँ। ।•••

उत्थान के आंकड़ें

जल जीवन मिशन (पेयजल)

■ मोदी जी की गारंटी के अनुरूप ग्रामीण घरों को नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत 4500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

■ इन योजनाओं के माध्यम से 3234 गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इन गांवों के दस लाख से अधिक घरों में पाइपलाइन के जरिए स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल पहुंचाया जाएगा।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना

■ दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके लिए भी बजट में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

निःशुल्क खाद्यान्न

■ छत्तीसगढ़ सरकार ने 68 लाख गरीब परिवारों को 05 साल तक मुफ्त राशन दिया जा रहा है। इसके लिए बजट में 34 सौ करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

■ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के लोगों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना संचालित की जा रही है।

■ इस योजना के तहत राज्य के 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्ति, दिव्यांगजन, विधवा, परित्यक्त महिलाओं को उनके जीवनकाल में एक बार प्रदेश के बाहर स्थित चिंहित तीर्थ स्थानों में से एक या एक से अधिक स्थानों की निःशुल्क यात्रा कराई जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना

■ वादे के मुताबिक प्रदेश में सरकार गठन होते ही 18 लाख 12 हजार 743 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास मोदी गारंटी के तहत दी गई।

■ इसके लिए 12 हजार 168 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

■ केंद्र सरकार द्वारा योजना के तहत 8 लाख 46 हजार 931 आवासों की स्वीकृति दी गई है।

■ 17 सितंबर को मोर आवास मोर आधिकार कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के हाथों प्रधानमंत्री आवास योजना के 5.11 लाख हितग्राहियों के खातों में पहली किश्त के रूप में 2044 करोड़ रुपए जारी। 01 लाख 66 हजार 832 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया।

श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना

■ छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन हेतु निःशुल्क आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य में श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित की जा रही है।

माओवादी आतंक के विरूद्ध अभियान

■ बीते साढ़े 10 महीनों के दौरान मुठभेड़ों में 195 माओवादियों को ढेर किया गया। 34 सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई, 30 और प्रस्तावित।

■ राज्य में घटित होने वाली माओवादी घटनाओं के अनुसंधान एवं अभियोजन की प्रभावी कार्यवाही के लिए राज्य अन्वेषण एजेंसी का गठन।

■ राज्य शासन की नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना के अंतर्गत माओवाद पीड़ित क्षेत्रों में स्थापित नए कैम्पों के आसपास 96 गांवों का चयन कर शासन के 17 विभागों की 53 कल्याणकारी योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं के तहत आवास, अस्पताल, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, स्कूल इत्यादि मूलभूत संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ।•••

(आंकड़े 10 नवंबर 2024 तक के हैं)

'मेक इन इंडिया' से आया परिवर्तन

बदलाव के एक दशक

विनिर्माण क्रांति ने गति पकड़ी; नवाचार, निवेश व आत्मनिर्भरता पर जोर

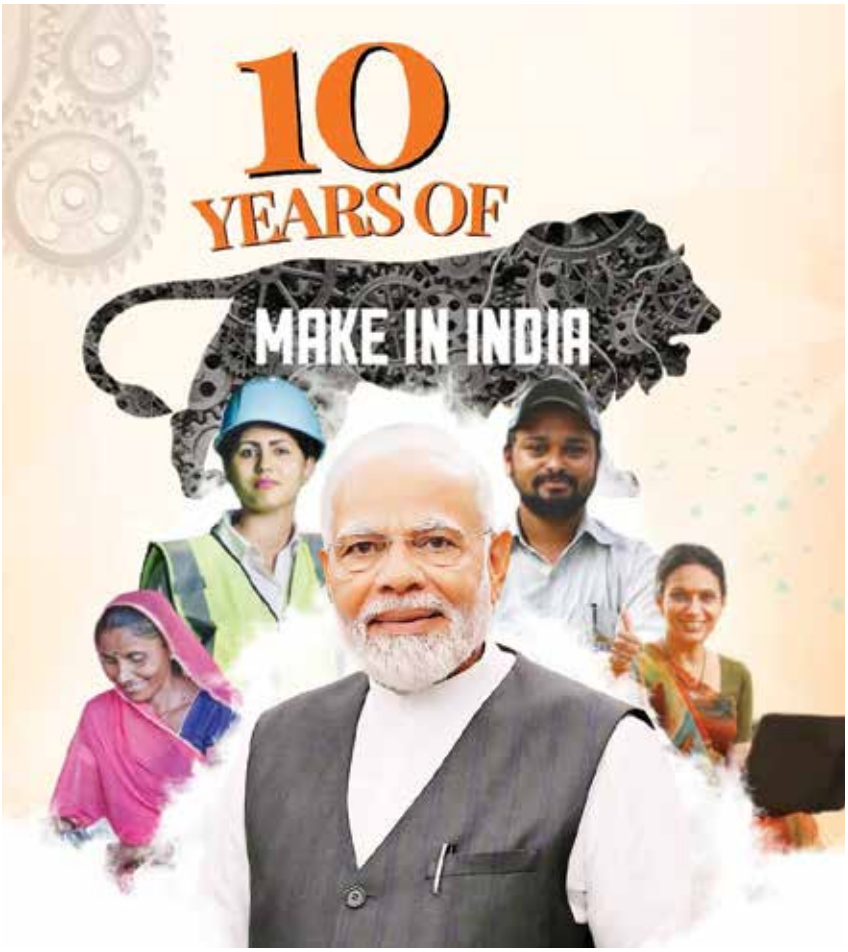

भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में सशक्त बनाने के लिए 25 सितंबर, 2014 को शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल एक ऐतिहासिक दशक पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इस कार्यक्रम ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, नवाचार में वृद्धि करने, कौशल विकास में बढ़ोतरी और विदेशी निवेश को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

'मेक इन इंडिया' के महत्वपूर्ण प्रभाव

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

भारत ने 2014 से 667.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2014-24) का संचयी एफडीआई प्रवाह आकर्षित किया है, जो पिछले दशक (2004-14) की तुलना में 119 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह निवेश 31 राज्यों और 57 क्षेत्रों में हुआ है, जो विविध उद्योगों में विकास को बढ़ावा देता है। कुछ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्र स्वतः 100 प्रतिशत एफडीआई के लिए खुले हैं। पिछले दशक (2014-24) के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 165.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो इससे पिछले दशक (2004-14) की तुलना में 69 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जिसमें 97.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रवाह शामिल है।

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना

2020 में शुरू की गई पीएलआई योजनाओं के परिणामस्वरूप जून, 2024 तक 1.32 लाख करोड़ रुपए (यूएसडी 16 बिलियन) का निवेश और विनिर्माण उत्पादन में 10.90 लाख करोड़ रुपए (यूएसडी 130 बिलियन) की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस पहल के कारण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 8.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

निर्यात और रोजगार

वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापारिक निर्यात 437 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। निर्यात में उछाल आया है और पीएलआई योजनाओं के कारण अतिरिक्त 4 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं, जबकि विनिर्माण क्षेत्र में कुल रोजगार 2017-18 के मुकाबले 57 मिलियन से बढ़कर 2022-23 में 64.4

'मेक इन इंडिया' 140 करोड़ देशवासियों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि 'मेक इन इंडिया' देश को विनिर्माण और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने सभी संभव तरीकों से 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "आज, 'मेक इन इंडिया' के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। मैं उन सभी लोगों की सराहना करता हूं जो पिछले एक दशक से इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। 'मेक इन इंडिया' हमारे देश को विनिर्माण और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। यह उल्लेखनीय है कि विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात में वृद्धि हुई है, क्षमता का निर्माण हुआ है और इस प्रकार अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।" उन्होंने कहा कि भारत सरकार सभी संभव तरीकों से 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुधारों में भारत की प्रगति भी जारी रहेगी। हम सब मिलकर एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करेंगे।

मिलियन हो गया है।

व्यापार करने में आसानी

विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में 2014 में 142वें स्थान से 2019 में 63वें स्थान पर पहुंचने से व्यापार की स्थिति में सुधार के लिए भारत की प्रतिबद्धता स्पष्ट है। इस दौरान 42,000 से अधिक अनुपालन कम किए गए हैं और 3,700 प्रावधानों को अपराधमुक्त किया गया है। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम 2023, 27 जुलाई, 2023 को लोकसभा और 2 अगस्त, 2023 को राज्यसभा द्वारा पारित किया गया, जिसने 42 केंद्रीय अधिनियमों में 183 प्रावधानों को अपराधमुक्त कर दिया है।

प्रमुख सुधार

सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकास

76,000 करोड़ की लागत वाले सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम का उद्देश्य पूंजी समर्थन और तकनीकी सहयोग की सुविधा देकर सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को बढ़ावा देना है। भारत ने सेमीकंडक्टर तंत्र के हर क्षेत्र को सहारा देने के लिए नीतियां विकसित की हैं, जिसमें न केवल फ़ैब्स पर ध्यान केंद्रित किया गया है, बल्कि पैकेजिंग, डिस्प्ले वायर, ओएसएटी, सेंसर और अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस)

सितंबर, 2021 में शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म निवेशक अनुभव को सरल बनाता है। यह मंच 32 मंत्रालयों/विभागों और 29 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से मंजूरी को एकीकृत करता है, जिससे त्वरित अनुमोदन की सुविधा मिलती है।

पीएम गतिशक्ति

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी), सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के पोर्टलों के साथ एक जीआईएस आधारित मंच है, जो अक्टूबर, 2021 में लॉन्च किया गया था। यह मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे की एकीकृत योजना से संबंधित डेटा-आधारित निर्णयों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है, जिससे सामग्री लागत कम हो जाती है।

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी)

लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 2022 में शुरू की गई एनएलपी, भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

औद्योगिक गलियारे और बुनियादी ढांचा

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत 11 औद्योगिक गलियारों के विकास में 28,602 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 12 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

ये गलियारे विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करके भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हैं।

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)

पूरे भारत में स्वदेशी उत्पादों और शिल्प कौशल को बढ़ावा देते हुए ओडीओपी पहल ने स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है। इन अद्वितीय उत्पादों के लिए मंच प्रदान करने के लिए 27 राज्यों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जा रहे हैं।

स्टार्टअप इंडिया

नवाचार को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से सरकार ने 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत सरकार के निरंतर प्रयासों से 30 जून, 2024 तक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 1,40,803 हो गई है, जिससे 15.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। भारत सरकार ने घरेलू और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जिससे एक मजबूत और गतिशील आर्थिक माहौल को बढ़ावा मिला है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और कॉर्पोरेट कर में कटौती जैसे ऐतिहासिक सुधारों से लेकर व्यापार करने में आसानी और एफडीआई नीतियों को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से दूरगामी उपायों तक, हर कदम एक अधिक निवेश-अनुकूल तंत्र बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी), सार्वजनिक खरीद आदेश और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जैसी पहल घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने पर केंद्रित हैं। कोविड-19 से उत्पन्न चुनौतियों के प्रति सरकार की सक्रिय प्रतिक्रिया, आत्मनिर्भर भारत पैकेजों और राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) तथा राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के अंतर्गत लक्षित निवेशों के माध्यम से प्रतिकूल परिस्थितियों को विकास के अवसर में बदल दिया गया है। इंडिया इंडस्ट्रियल लैंड बैंक (आईआईएलबी), इंडस्ट्रियल पार्क रेटिंग सिस्टम (आईपीआरएस) और नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम (एनएसडब्लूएस) जैसी पहल निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को और अधिक सुव्यवस्थित करती है। ।•••

एनडीए ने हर वर्ग का विश्वास किया है हासिल: प्रधानमंत्री

एनडीए घटक दल की चंडीगढ़ में हुई बैठक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 अक्टूबर, 2024 को चंडीगढ़ में आयोजित एनडीए नेताओं की बैठक में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने इस सम्मेलन की सराहना करते हुए इसे 1975 के बाद गैर-कांग्रेसी राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा समूह बताया। इस सम्मेलन में 17 मुख्यमंत्रियों और 18 उपमुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि ऐसी बैठकें हर साल दो बार होनी चाहिए। हरियाणा में नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात् इस बैठक का आयोजन किया गया।

हरियाणा की जीत को महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक बताते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एनडीए ने समाज के सभी वर्गों का विश्वास और समर्थन हासिल किया है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे विपक्ष ने एनडीए के किसान विरोधी होने के झूठे आख्यान को पेश करने की कोशिश की, जबकि यह किसान ही थे जो एनडीए को आशीर्वाद देने के लिए बड़ी संख्या में बाहर आए थे। उन्होंने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को खारिज करने और उन्हें यह स्पष्ट संदेश देने के लिए हरियाणा के लोगों को धन्यवाद दिया कि वह एनडीए के विकास एवं सुशासन के एजेंडे के साथ खड़े हैं।

एनडीए सरकार आम नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है

श्री मोदी ने कहा कि आज एनडीए सरकार आम नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा कर रही है और अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं प्रदान करना एनडीए सरकार की विशिष्टता रही है, जिससे 2014 से जनता में सरकार के प्रति विश्वास कायम करने में मदद मिली है। इस तथ्य पर प्रकाश डालते हुए कि सुशासन का अर्थ अंततः लोगों की समस्याओं का समाधान ढूंढना है, श्री मोदी ने कहा कि शिकायत निवारण पर ध्यान देने के साथ समाधान-केंद्रित शासन सभी एनडीए राज्य सरकारों की एक विशिष्ट पहचान है।

10 वर्षों में 4.5 करोड़ पत्र मिले

प्रधानमंत्री ने यूपीए सरकार से तुलना करते हुए कहा कि उन्हें पिछले 10 वर्षों में 4.5 करोड़ पत्र प्राप्त हुए हैं, जबकि यूपीए सरकार के 10 वर्षों में 5 लाख पत्र प्राप्त हुए थे, जो एनडीए सरकार में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। श्री मोदी ने कहा कि सुचारू शासन, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और शासन में पारदर्शिता ने एनडीए राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने में मदद की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, जिसका समर्थन नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो एवं गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने किया।

'संविधान का अमृत महोत्सव'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के संविधान निर्माण की 75वीं वर्षगांठ को 'संविधान का अमृत महोत्सव' के रूप में मनाने के विषय पर एक प्रस्ताव पेश किया। इसके साथ ही उन्होंने संविधान की गरिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के इतिहास में पहली बार नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार हुआ है।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

हम सब 'विकसित भारत' के सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करने के लिए समर्पित: जगत प्रकाश नड्डा

एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग लेने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक्स पर पोस्ट किया, "चंडीगढ़ में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग लिया।

लोकतंत्र की हत्या का 50वां वर्ष

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2025 को लोकतंत्र की हत्या के 50वें वर्ष के रूप में मनाने का प्रस्ताव पेश किया। तीन अन्य प्रस्तावों में नेताओं ने वर्ष 2025 में भगवान बिरसा मुंडा एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती और अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी मनाने का भी संकल्प लिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और एनडीए के वरिष्ठ नेता एन. चंद्रबाबू नायडू ने आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विश्व स्तर पर भारत को गौरव दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने राज्यों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर विशेष रूप से जोर दिया।

जन-हितैषी सक्रिय सुशासन या पी2जी2

श्री मोदी ने जन-हितैषी सक्रिय सुशासन या पी2जी2 की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी एनडीए राज्यों, साथ ही इन राज्यों के मंत्रियों एवं विधायकों के बीच अधिक से अधिक संपर्क की आवश्यकता पर बल दिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनभागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि शासन में लोगों की भागीदारी से सरकार का बोझ कम हुआ है। उन्होंने एनडीए सरकार के देश के युवाओं से सीधे जुड़ने और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में शामिल करने की भी सराहना की।

टीबी मुक्त भारत के लिए एकजुट होकर काम करें

प्रधानमंत्री ने नेताओं से टीबी मुक्त भारत की दिशा में एकजुट होकर काम करने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, अपशिष्ट प्रबंधन, बड़े शहरों को राज्यों के विकास का इंजन बनाने, पर्यटन को बढ़ावा देने और कल्याण और विकास के 11 सूत्री कार्यक्रम को अपनाने का आग्रह किया। श्री मोदी ने एनडीए नेताओं को सुझाव दिया कि वे एनडीए शासित राज्यों के शहरों के बीच स्वच्छतम पर्यटन स्थल, स्वच्छतम अस्पताल, स्वच्छतम पंचायत आदि के लिए प्रतिस्पर्धा आयोजित करें। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार 'प्रो पीपल, प्रो एक्टिव और गुड गवर्नेंस' के सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। ।•••

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ में एनडीए नेताओं की बैठक में भाग लिया।
- प्रधानमंत्री ने इस बैठक की सराहना करते हुए इसे 1975 के बाद गैर-कांग्रेसी राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा समूह बताया।
- शिकायत निवारण पर ध्यान देने के साथ समाधान-केंद्रित शासन सभी एनडीए राज्य सरकारों की विशिष्ट पहचान है।
- सुचारू शासन, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और शासन में पारदर्शिता ने एनडीए राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने में मदद की है।
- बैठक के दौरान नेताओं द्वारा छह प्रस्ताव पारित किये गये।
- जनभागीदारी पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शासन में लोगों की भागीदारी से सरकार का बोझ कम हुआ है।
- प्रधानमंत्री ने एनडीए सरकार के देश के युवाओं के साथ सीधे संपर्क और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में शामिल करने की भी सराहना की।
- श्री मोदी ने एनडीए नेताओं को सुझाव दिया कि वे एनडीए शासित राज्यों के शहरों के बीच स्वच्छतम पर्यटन स्थल, स्वच्छतम अस्पताल, स्वच्छतम पंचायतों के लिए प्रतिस्पर्धा आयोजित करें।

छत्तीसगढ़ में मातृशक्ति और हो रही मजबूतः मुर्मु

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ के पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की 9वीं किश्त का अंतरण किया। इस योजना के तहत दीवाली से पहले राज्य की 69 लाख 68 हजार लाभार्थी महिलाओं के बैंक खाते में एक-एक हजार रूपए के मान से कुल 651 करोड़ 37 लाख रुपए की राशि ऑनलाइन अंतरित की गई। योजना के तहत अब तक राज्य की महिलाओं को कुल 5878 करोड़ 37 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इस मौके पर महतारी वंदन योजना के हितग्राही ममता कश्यप और सत्यवती ध्रुव से इस योजना के लाभ के बारे में चर्चा की। महतारी वंदन योजना के राशि वितरण के इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों जैसे रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, बस्तर और सरगुजा से पारंपरिक वेशभूषा में लगभग 120 महिलाएं आयी थीं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु से बातचीत के दौरान ममता कश्यप और सत्यवती ध्रुव ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिली राशि से वो अपने बच्चों को लिए राशन खरीदने के साथ ही उनकी जरूरत का अन्य सामान खरीदने के लिए उपयोग करती है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने उन्हें शासन की ओर से मिलने वाली मदद का लाभ उठाकर अपने बच्चों को खूब पढ़ाने-लिखाने और उन्हें अफसर बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जब बच्चे पढ़ेंगे, तभी परिवार और समाज आगे बढ़ेगा।

राष्ट्रपति से संवाद कर अभिभूत हुई ममता कश्यप

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से बात करना मेरे जीवन के सबसे अनमोल क्षणों में से एक है। मुझे देश की प्रथम महिला से बात करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। ये कहना था बस्तर से पहुंची ममता कश्यप का। ममता बस्तर क्षेत्र की एक आदिवासी महिला है और महतारी वंदन योजना की हितग्राही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना से मुझे आर्थिक सुरक्षा का अहसास होता है। हर महीने मुझे मोबाइल में नोटिफिकेशन का इंतजार रहता है। इस बार मिली राशि से मैं दीवाली में बच्चों के लिए कपड़े और मिठाई खरीदूँगी। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा कक्षा नवमी मे पढता है। मैं इस राशि का उपयोग उसकी ट्यूशन फीस देने मे करती हूँ। उन्होंने बताया कि मेरे परिवार में कुल पांच लोग है। दो एकड़ खेती है। रोजी मजदूरी के साथ जीवन चल रहा है। ऐसे मे महतारी वंदन योजना से हर महीने एक हजार रूपए मिलना, बहुत ही सुखद और राहत देने वाला होता है। उन्होंने महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक मदद देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों के सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित महाप्रभु भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु इस दौरान जगन्नाथ सेवा समिति के सदस्यों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने इस मौके पर मंदिर पहुंचे प्रदेश के जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्टजनों से भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रामेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

राष्ट्रपति ने पुरखौती मुक्तांगन में सरगुजा प्रखंड का किया लोकार्पण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में सरगुजा प्रखंड का लोकार्पण किया। लगभग 5 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित सरगुजा प्रखंड में छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष रूप से सरगुजा अंचल के आदिवासी समुदाय की जीवनशैली और उनकी सांस्कृतिक व पुरातात्विक धरोहरों को प्रदर्शित किया गया है।

सरगुजा प्रखंड में सरगुजा अंचल के जनजातियों की अनुठी संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत और पुरावैभव को प्रदर्शित किया गया है। सरगुजा अंचल के विभिन्न जनजातियों के निवास स्थल व उनकी जीवनशैली को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे हम एक ही स्थल में विभिन्न आदिवासी समुदायों के रहन-सहन, संस्कृति से बेहतर तरीके से रूबरू हो सकते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष पारंपरिक वेशभूषा में हुआ प्रसिद्ध लोकनृत्य का प्रदर्शन

भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने बीच पाकर छत्तीसगढ़ के लोग हमेशा गौरवान्वित होते हैं, विशेष रूप से यहां के जनजातीय समाज स्वयं को बहुत प्रतिष्ठित महसूस कर रहा है।

छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में आयोजित सरगुजा प्रखण्ड के लोकार्पण और महतारी वंदन की 9 वीं किस्त की राशि के अंतरण के अवसर पर छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों के लोग अपनी जीवन-पद्धति, खान-पान, लोक-नृत्य, लोक-संगीत, लोकवाद्यों, कलाओं रीति-रिवाजों, तीज-त्यौहारों, अस्थाओं और अन्य आदिम परंपराओं को सहेज कर रखा है। नर्तक दलों ने अपने नृत्य के माध्यम से बताया कि जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। जनजातीय समाज का कल्याण करने सरकार प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने बीच पाकर हमारे छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने अपनी पहचान नृत्य के माध्यम में प्रस्तुत की। जिला सरगुजा, विकासखण्ड मैनपाट के ग्रमा डांगबुड़ा के नर्तक दल ने सरगुजा संभाग के आदिवासियों के प्रसिद्ध लोकनृत्य करमा का पुरूष पारंपरिक वेशभूषा में धोती, कुर्ता, पगड़ी, मयूरपंख सहित और महिलाएं साड़ी- ब्लाउज के साथ पैर में घुंघरू पहनकर मांदर और झांझ बजाते हुए नृत्य का प्रदर्शन किए। करमा नृत्य लगभग हर खुशी के अवसर पर किया जाता है। इसी प्रकार दंतेवाडा जिला के विपकासखण्ड गीदम के ग्राम जोड़तराई के नर्तकदल ने गौर नृत्य कर पारंपरिक बस्तर के विभिन्न त्यौहारों के जैसे- अमुस तिहार, नवाखाई आमा पण्डुम, शादी-विवाह आदि में महिलाओं और पुरूषों के द्वारा मिलकर सामुहिक रूप से पारंपरिक तरीके से नृत्य का प्रदर्शन किए।

राष्ट्र विरोधी ताकतों को हम करारा जवाब दे रहें हैं : अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन-2024' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। गृह मंत्री ने NIA के ध्येय वाक्य का अनावरण, UAPA मामलों की जांच के लिए SOP का विमोचन और NIA के 11 पदक विजेताओं को अलंकृत किया।

सम्मलेन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि NIA सिर्फ एक जांच एजेंसी नहीं है बल्कि इसके तत्वावधान में देशभर की आतंकवाद विरोधी गतिविधियों का संकलन और संवर्धन होना चाहिए। साथ ही ऐसे उपाय करना चाहिए ताकि जांच एजेंसी कोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष रखे और आतंकवाद निरोधक तंत्र मजबूत बने।

उन्होंने कहा कि 11 पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया गया है। आजादी के बाद के 75 वर्षों में देश की सुरक्षा को बनाए रखने के लिए अब तक 36,468 पुलिसकर्मियों ने आतंरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ ठोस रणनीति अपनाई है। प्रधानमंत्री मोदी जी के सूत्र वाक्य Zero

मोदी सरकार द्वारा आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों के कारण एक दशक में आतंकवादी घटनाओं में 70% की कमी आई है

Tolerance Against Terrorism को आज न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व ने स्वीकारा है। उन्होंने कहा कि भारत में पिछले 10 साल में आतंकवाद से मुकाबले के लिए एक मजबूत 'इकोसिस्टम' का निर्माण हुआ है। गृह मंत्री ने कहा कि हालांकि अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है, लेकिन अगर गत 10 साल के कामकाज को देखें तो इसे संतोषजनक कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि Terrorism, Terrorist और इसके पूरे इकोसिस्टम से लड़ने के लिए गृह मंत्रालय जल्द ही एक National Counter-terrorism Policy & Strategy ले कर आएगा।

अमित शाह ने कहा कि राज्यों की अपनी भौगोलिक और संवैधानिक सीमाएं हैं, लेकिन आतंकवाद एवं आतंकवादियों की कोई सीमा नहीं है। आतंकवादी अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय, दोनों तरह के षड्यंत्र करते हैं और हमें इसके खिलाफ अगर सटीक रणनीति बनानी है तो ऐसे सम्मेलनों की मदद से एक मजबूत तंत्र बनाना होगा ताकि आतंकवाद, नारकोटिक्स और हवाला सहित ऐसी सभी गतिविधियों पर लगाम लगा सके जो देश की सीमाओं और अर्थतंत्र को खतरे में डालती हों। उन्होंने भरोसा जताया कि यह सम्मलेन सिर्फ चर्चा का प्लेटफार्म नहीं बनेगा बल्कि इससे अमल में लाए जाने वाले बिंदु (Actionable Points) सामने आएंगे जो आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई को और मजबूत करेंगे। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे सम्मलेन की उपयोगिता तभी है जब Actionable Points को हम थाने और बीट स्तर तक ले जाएँ और बीट से लेकर NIA के DG तक पूरे तंत्र को आतंकवाद के खतरों के बारे में जागरूक करने में सफल हों। ।•••

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

छत्तीसगढ़ की समृद्धि के लिए हम बिछाएंगे सड़कों का जाल: गडकरी

छत्तीसगढ़ के नेशनल हाइवे का नेटवर्क दो साल के अंदर अमेरिकन नेटवर्क के बराबर होगा, आज मैं यह विश्वास दिलाता हूँ, आपने जो छत्तीसगढ़ राज्य के लिए मांगे रखी हैं वे सब देंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रायपुर में आयोजित हो रहे भारतीय सड़क कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन के शुभारंभ कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने इस मौके पर छत्तीसगढ़ में सड़कों के विकास के लिए 20 हजार करोड़ रुपए के कार्यों की स्वीकृति दी। इनमें चार राष्ट्रीय राजमार्गों में फोरलेन के लिए डीपीआर की स्वीकृति भी शामिल है। श्री गडकरी ने धमतरी से जगदलपुर, रायपुर से बलौदाबाजार-सांरगढ़, कटघोरा से अम्बिकापुर और बिलासपुर से अकलतरा-रायगढ़ से ओडिशा बार्डर तक के राष्ट्रीय राजमार्गों को फोरलेन करने के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कई सिंगल लेन और टू लेन सड़कों के निर्माण के लिए भी राशि मंजूर की। श्री गडकरी ने रायपुर में सरोना, उद्योग भवन, तेलीबांधा और धनेली जंक्शन में फ्लाईओवर निर्माण के लिए भी राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने तीन सड़कों के वन टाइम इंप्रूवमेंट कार्यों की भी मंजूरी दी। श्री गडकरी ने सड़कों के निर्माण लिए केन्द्रीय सड़क निधि (सीआरएफ) से 900 करोड़ रूपए देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिवेशन के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हमें विकास भी करना है और पर्यावरण का संतुलन भी रखना है। हमारे देश में ट्रांसपोर्ट सेक्टर देश के पाल्यूशन में 40 प्रतिशत योगदान करता है। मैं आईआरसी के पदाधिकारियों से अनुरोध करूंगा कि आप इस सेक्टर को इंटीग्रेटेड एप्रोच से सोचें। हमें सड़कों के किनारे टायलेट बनाने होंगे।

विकास के लिए सुगम सड़कें जरूरी : साय

उत्थान के नए अध्याय का हो रहा शुभारंभ : साव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे लिए यह बहुत ही खुशी की बात है कि इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें अधिवेशन की मेजबानी का सौभाग्य छत्तीसगढ़ को प्राप्त हुआ है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी को इस कार्यक्रम में अपने बीच पाकर हमारी खुशी दोगुनी हो गई है। भारत के विकसित राज्यों में अपना स्थान बनाने की ललक के साथ छत्तीसगढ़ बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि श्री गडकरी जी का सहयोग और प्रोत्साहन हम लोगों को निरंतर मिल रहा है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के लिए उन्होंने 11 हजार करोड़ रुपए की अत्यंत महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। इसके लिए मैं उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूं।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरूण साव ने अपने सम्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ पर प्रकृति की असीम कृपा है। यहां बड़ी-बड़ी नदियों, पहाड़ और जंगल के साथ ही कोयले से लेकर हीरे तक के भण्डार हैं। छत्तीसगढ़ कई संतों और महात्माओं की तपो स्थली और कर्मभूमि रहा है। उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ ने हर क्षेत्र में तेजी से विकास किया है। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के सहयोग से छत्तीसगढ़ में सड़कों का जाल बिछ रहा है। श्री साव ने उम्मीद जताई कि भारतीय सड़क कांग्रेस के इस 83वें अधिवेशन में देशभर के विशेषज्ञ सड़क निर्माण और सड़क सुरक्षा को लेकर देश और दुनिया में हो रहे अनुसंधान, नवाचार, नई मशीनरी और नई तकनीकों के बारे में मंथन कर इस क्षेत्र की समस्याओं का हल निकालने में सार्थक पहल करेंगे। ।•••

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में की बस्तर के लोक संस्कृति पर चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि अबूझमाड़ की लोक परंपरा अपने आप में अनूठी है। पीएम ने कहा कि अबूझमाड़ के लोग अपनी लोक परंपरा को बचाए रखने और उसके संवर्धन के लिए लगातार सालों से प्रयास कर रहे हैं। उनकी लोक कला देश और दुनिया में अनोखी है।

नारायणपुर के बुटलूराम माथरा का पीएम ने किया जिक्रः पीएम ने कहा कि अपनी परंपरा को सहेजने के लिए नारायणपुर के लोग लगातार प्रयास करते रहते हैं। उनके प्रयासों को सफलता भी मिल रही है। उनकी लोक परंपरा को आज नई पहचान मिल रही है। उनकी आने वाली पीढ़ी भी इस लोक परंपरा को आगे जाने का काम कर रही है। पीएम ने कहा कि नारायणपुर के बुटलूराम माथरा अबूझ माड़िया जनजाति की कला को करीब चार दशकों से संवारने का काम कर रहे हैं। अबूझ माड़िया जनजाति की कला को किया पुनर्जीवितः पीएम ने बताया कि बुटलूराम महात्र अबूझ माड़िया जनजाति की कला को जीवित रखे हुए हैं। बुटलूराम माथरा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में भी योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही वो स्वच्छ भारत मिशन के लिए भी अपने स्तर पर काम कर रहे हैं।

मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि अपनी संस्कृति को बचाने के लिए जो काम किया जाता है वह किसी भी देश और राज्य के विकास के लिए जरूरी है। कई देशों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वहां पर भारतीय संस्कृति पर कई कार्यक्रम बनाए जाते हैं। पीएम ने कुवैत में रामायण भाषा को अरेबिक में अनुवाद किए जाने की भी चर्चा मन की बात में की।

गौ सेवा-राष्ट्र सेवा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने जगदलपुर के कुरंदी गांव स्थित कामधेनु गौशाला में गोपाष्टमी के मौके पर पूजा-अर्चना की। इस दौरान गौमाता से आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

कांग्रेस का हाथ सदैव अपराधियों के साथः गुरु खुशवंत

भाजपा के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कांग्रेस को अपराधियों की पार्टी बताते हुए कहा है कि कांग्रेस आज राजनीतिक दल कम, अपराधियों के संगठित गिरोह की शक्ल ज्यादा अख्तियार कर चुकी है। अमूमन हर बड़े अपराधों या आपराधिक षड्यंत्रों में कांग्रेस नेताओं या फिर उनके बेहद करीबियों की संलिप्तता लगातार सामने आ रही है। श्री खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस का यह राजनीतिक चरित्र हो चला है और उसने राजनीति का अपराधीकरण और अपराधियों का कांग्रेसीकरण करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। भाजपा विधायक खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस को अब अपराधियों की पार्टी कहना कतई अतिशयोक्ति नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस केवल अपराधियों को संरक्षण देने का काम करती रही है। कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़े-बड़े अपराधों में संलिप्त पाए जा रहे हैं। बलौदाबाजार की हिंसा और आगजनी की घटना में कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव अभी तक जेल में हैं और उन्हें जमानत भी नहीं मिल पा रही है। सूरजपुर की घटना में एक पुलिसकर्मी की पत्नी एवं बेटी की निर्मम हत्या कांग्रेस के कार्यकर्ता ही करते हैं। श्री खुशवंत साहेब ने कहा कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता किसानों को धमकी देते हैं और उनकी जमीन छीनने की कोशिश करते हैं। बलौदाबाजार के मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर 40 लख रुपए की ठगी कांग्रेस के नेता एवं उनके भाई द्वारा की जाती है।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

सदस्यता को लेकर हुआ कार्यशाला

भाजपा प्रदेश कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संगठन पर्व के संगठनात्मक चुनाव के प्रांतीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, राष्ट्रीय सह-चुनाव अधिकारी व सांसद नरेश बंसल, प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी खूबचंद पारख, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, प्रदेश सदस्यता अभियान संयोजक अनुराग सिंहदेव सहित प्रदेश उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, संभाग प्रभारी, संभाग सह प्रभारी एवं मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

जय छठी माई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सूर्य आराधना और लोक आस्था के महापर्व "छठ" के पावन अवसर पर रायपुर के महादेव घाट में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश वासियों को छठ की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान पूर्व मंत्री व सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक अनुज शर्मा सहित बड़ी संख्या में व्रती मौजूद थे।

भूपेश ने हमेशा किसानों का किया अहितः शर्मा

भाजपा के वरिष्ठ किसान नेता व प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के 'एक्स' पोस्ट पर चुनौती देते हुए कहा है कि कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार ने लगातार गन्ने की प्रोत्साहन राशि हर साल घटाई, बघेल पहले उस पर जवाब दें। श्री शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री बघेल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हर स्तर पर प्रदेश के किसानों के साथ छल-कपट और धोखाधड़ी का कलंक लिए फिर रहे बघेल को अब किसानों के नाम पर घड़ियाली आँसू बहाने और प्रदेश को दिग्भ्रमित करने में शर्म महसूस करनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि बघेल अब गन्ने की प्रोत्साहन राशि के विषय में किसी भी प्रकार का सवाल-जवाब करने का अपना अधिकार खो चुके हैं। बघेल पहले तो यह बताएँ कि गन्ने की प्रोत्साहन राशि सन 2020-21 में 93.75 रुपए से घटकर 84.25 रुपए क्यों की गई? फिर 2021-22 में यह प्रोत्साहन राशि 84.25 रुपए से घटाकर 79.50 रुपए, और 2022-23 में 79.50 रुपए से घटाकर 72.88 रुपए क्यों की गई? अपने कार्यकाल में गन्ने की प्रोत्साहन राशि में 20.87 रुपए की कटौती करके किसानों की खुली लूट मचाने वाले बघेल अपने कृत्यों पर क्यों नहीं बोलते? गन्ना में प्रति पंजीकृत किसान को 50 किलो शक्कर भाजपा सरकार मुफ्त देती थी जिसे भूपेश बघेल ने बंद कर दिया था। पाँच वर्षों तक उन किसानों की शक्कर तक खा गए! अब भाजपा के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने सत्ता में आते ही गन्ना उत्पादक किसानों के हक की 50 किलो मुफ्त शक्कर पुनः देना प्रारंभ किया है।

हर बड़ी अपराधिक घटना के पीछे कांग्रेस का हाथ : किरण देव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रदेश में बढ़ते अपराध, तनाव और अराजकता के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कांग्रेस के लोगों की कारगुजारियों को सामने रखा है और कहा है कि एक ओर जहाँ छत्तीसगढ़ प्रदेश अपना 25वाँ राज्योत्सव मना रहा है, वहां बड़े दुख और चिंता के साथ कांग्रेस की कारगुज़ारियों को आपके बीच रखने की विवशता है। श्री देव ने साफ-साफ लफ्जों में आरोप लगाया कि प्रदेश में जहां भी अपराध और तनाव जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है, उसकी जड़ में कांग्रेस है। कांग्रेस जान-बूझकर छत्तीसगढ़ को आग में झोंकना चाहती है। इसलिए पहले ख़ुद अपराध को अंजाम देती है, षड्यंत्र रचती है और फिर उस मुद्दे पर सरकार को घेरने में उसके बड़े नेता लग जाते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने सोमवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में स्पष्ट आरोप लगाया कि यह कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर पर तय हुई साज़िश के तहत हो रहा

है कि समूचे देश-प्रदेश को अराजकता में धकेल दो, फिर चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करो। भय और आतंक का वातावरण निर्माण करो। इसी साजिश की कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी हर आतंक और अपराध के पीछे कांग्रेस का ही खूनी पंजा है। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार और छत्तीसगढ़ समेत तमाम राज्यों में हुए सफ़ाए से कांग्रेस अब जनता के प्रति बदले की भावना से भरी हुई है।

दक्षिण में हमारी जीत सुनिश्चित

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में प्रचार के अंतिम दिवस राजधानी में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनता से आशीर्वाद लेने के लिए जन आशीर्वाद यात्रा निकली। जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान पूरे यात्रा मार्ग के दोनों तरफ भारी संख्या में जनता-जनार्दन ने उपस्थित होकर भाजपा के प्रति अपना अगाध समर्थन व विश्वास व्यक्त किया।

दीपक बैज का बयान विष्णु के सुशासन पर मुहरः संजय श्रीवास्तव

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हुईं मुठभेड़ों को कभी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुर में सुर मिलाकर फर्जी बताने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आखिरकार सन् 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे को लेकर यह तो स्वीकार कर ही लिया है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार आने के बाद टारगेटेड एनकाउंटर हुए हैं और टारगेटेड एनकांटर में कोई आपत्ति नहीं है, बस्तर में शांति लौटनी चाहिए। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि नक्सल मोर्चे पर बैज ने मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान की तारीफ की है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और प्रदेश सरकार के रणनीतिक सूझबूझ से नक्सलियों को उनकी मांद में घुसकर जवान मार रहे हैं, जो एक ऐतिहासिक सफलता है। हाल ही नई दिल्ली में नक्सल पीड़ित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति की तारीफ की थी। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले नौ महीनों में 194 से अधिक माओवादी मारे गए हैं, 800 से ज्यादा नक्सलियों की गिरफ्तारियाँ हुई हैं और 738 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला...

भाजपा विश्वास का नाम है जबकि कांग्रेस विश्वासघात का नाम है : शिवरतन

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के संयोजक शिवरतन शर्मा ने कहा है कि भाजपा विश्वास का नाम है जबकि कांग्रेस विश्वासघात का नाम है। भ्रष्टाचार औ'र अपराध कांग्रेस रूपी सिक्के के दो पहलू हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में अपने पाँच साल और नगर निगम में 15 वर्षों के शासनकाल में केवल वादाखिलाफी करते जनता से किए गए अपने वादों से मुकरने का काम किया। श्री शर्मा एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शर्मा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज समेत कांग्रेस नेताओं से सवाल किया कि आखिर रायपुर दक्षिण की जनता कांग्रेस को वोट क्यों करें? कांग्रेस ने ऐसा कौन सा काम किया है, जिसके लिए रायपुर की जनता कांग्रेस का समर्थन करे? सन 2018 के कांग्रेस के जनघोषणा पत्र की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने गंगाजल हाथ में उठाकर प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की शपथ ली थी, लेकिन शराब घोटाला कर दिया। महादेव जुआ, कोयले की दलाली का प्रकरण प्रदेश के सामने है। किसानों को धमकाने-चमकाने के अनेक मामले सामने आए। बिलासपुर युवा कांग्रेस का अध्यक्ष शेर असलम का एक किसान को धमकाता हुआ वीडियो वायरल हुआ था।

स्वागत, वंदन, अभिनंदन

स्वामी विवेकानंद विमानतल पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आत्मीय स्वागत किया।

दीपावली मिलन समारोह

सर्व यादव समाज ने रायपुर में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव, डिप्टी सीएम अरुण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित गणमान्यजन उपस्थित थे।

कांग्रेस फिर से आतंकवाद और अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती है: साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद और अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती है। जम्मू- कश्मीर विधानसभा में धारा 370 और 35A को फिर से लाने के नेशनल कांफ्रेंस के प्रस्ताव का समर्थन कर कांग्रेस ने देश को तोड़ने का कुचक्र फिर से चल दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि वहां सदन में जो भी कुछ हुआ, वह पाकिस्तान और देश विरोधी लोगों को खुश करने के लिए किया गया, जम्मू-कश्मीर की जनता को गुमराह करने के लिए किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज जो देश की एकता के लिए खड़े हैं, जम्मू-कश्मीर वे विकास और शांति के पक्ष में खड़े हैं, उन्हें मार्शल के जरिये बेरहमी से जम्मू-कश्मीर विधानसभा से बाहर निकाला जा रहा है। कांग्रेस-एनसी, पीडीपी - ये सब जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद को लाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का का राष्ट्रविरोधी एजेंडा है। शेख अब्दुल्ला से लेकर उमर अब्दुल्ला तक, भावनात्मक ब्लैकमेल करना नेशनल कॉन्फ्रेंस की दिनचर्या है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर धारा 370 तथा 35A के काले साए से कब का निकल चुकी है। वह विकास के रास्ते पर चल पड़ी है लेकिन कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी ये सब कश्मीर घाटी में आई शांति से परेशान हैं। ये जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद व अलगाववाद के काले दौर को वापस लाना चाहती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी

सरकार ने वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर को विधानसभा देंगे, चुनाव करायेंगे, केवल 5 साल के अंदर मोदी सरकार ने चुनाव कराये और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल किया। हम आगे भी जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए काम करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कांग्रेस फिर से धारा 370 बहाल करके की बात करके यह बताना चाहती है कि हम वाल्मीकियों, गोरखा समाज, पश्चिमी पाकिस्तान शरणार्थी, पहाड़ी और गुर्जर के खिलाफ हैं। कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस के घोषणापत्र का समर्थन कर जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को ख़त्म करने का समर्थन किया था। वैसे भी राहुल गाँधी अमेरिका जाकर आरक्षण को ख़त्म करने की बात कर चुके हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि धारा 370 के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। नागरिकों की मृत्यु में भी लगभग 80% की कमी आई है। विदेशी नागरिकों के पर्यटन में 300 प्रतिशत का उछाल आया है। जम्मू-कश्मीर का बजट 17 प्रतिशत बढ़ा है। पत्थरबाजी की घटना बिलकुल बंद हो गई। आतंकवादी घटनाएं दो-तीन जिलों में ही सिमट कर रह गई।

कांग्रेस के पास बताने को कुछ भी नहीं : मीनल चौबे

भाजपा ने कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा है कि पिछले 15 वर्षों में कांग्रेस ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र में विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं रखी और एक फूटी कौड़ी तक खर्च नहीं की। चूँकि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं होता, विकास के नाम पर बताने को कोई उपलब्धि नहीं है, इसलिए कांग्रेस अब रायपुर दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव में जातिवाद व धर्म के नाम पर समाज को बाँटकर राजनीति करने का शर्मनाक पैंतरा अपना रही है। कांग्रेस अपने इन ओछे पैंतरों में कतई कामयाब नहीं होगी। भाजपा कार्यालय (एकात्म परिसर) में रविवार को आहूत पत्रकार वार्ता में रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में कांग्रेस के तीन-तीन महापौरों के कार्यकाल में राजधानी का विकास ठप हो गया है।उन्होंने कहा भाजपा विकास और कांग्रेस विनाश के लिए कार्य करती है। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी के महापौर कार्यकाल में जो विकास कार्य हुए, कांग्रेस की निगम सरकार ने न तो उनको सहेजने और सँवारने का काम किया, न ही विकास की ऐसी किसी नई योजना पर काम किया, जिसे वह आज गिना सके। ।•••

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्कैन करें।

निवेदन दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं। फोन या मोबाइल नंबर पर भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

प्रबंध संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर
डूमरतराई, रायपुर। (छत्तीसगढ़), मोबाइल नं. : 92016-33511, फोन : 0771-2233500
Email : mydeepkamal@gmail.com

25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़

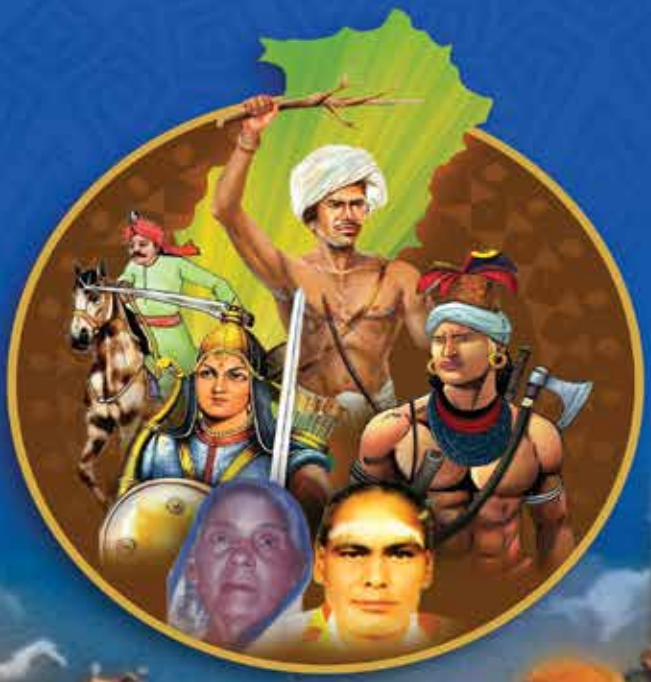

निःशुल्क प्रकाशित

स्वाधीनता हेतु किया समर जनजातीय वीर रहें अमर

15 नवंबर 2024
जनजातीय गौरव दिवस

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

#माटी_के_वीर

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

RNI No.CHHHIN/2004/13926

डाक पंजी. क्रमांक : छ.ग./रायपुर संभाग/78/2023-25

राज्योत्सव का नगाड़ा